Discover your divinity with us
A/C Showroom
ज्ञान गंगा ॐ मूर्ति माला केन्द्र
उजाला भवन स्टेशन रोड, दुर्ग
0788-4030383, 3293199
भगवान के वस्त्र, श्रृंगार मूर्तियां एवं समस्त पूजन सामग्री संगमरमर व पीतल की मूर्तियां राशि रत्न एवं उपरत्न उपलब्ध

राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

श्री दुर्ग शहर में सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य
माँ दुर्गा उपासक मां वगुलामुखी, माँ कामख्या, माँ भद्रकाली, माँ शतचंडी की असीम कृपा साधना द्वारा समस्त समस्याओं का मार्ग दर्शन हेतु
पं. एम.पी. शर्मा/
मो. 8109922001
फीस 251/- मात्र
पता:- श्री दुर्गा ज्योतिष कार्यालय सिकोला भाठा, सब्जी मार्केट के सामने, धमधा नाका, दुर्ग

वर्ष 13, अंक 244 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, मंगलवार 25 जून 2024 www.samaydarshan.in

सार समाचार

केजरीवाल को मिलेगी जमानत या रहेंगे जेल में: श्रेष्ठ की याचिका पर आज आ आएगा फैसला,

नई दिल्ली। आबकारी नीति मामले में जेल में बंद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के भाग्य का फैसला मंगलवार को होगा। केजरीवाल जेल से बाहर आएंगे या नहीं इस मुद्दे पर हाई कोर्ट का फैसला मंगलवार को आएगा। न्यायमूर्ति सुधीर कुमार जैन दोपहर 2:30 बजे फैसला सुनाएंगे। ईडी ने सोमवार को जमानत के विरोध में अपना जवाब दाखिल कर दिया है।

बता दें कि ईडी ने जमानत दिए जाने के फैसले के खिलाफ 21 जून को हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी, जहां से राउज एवेन्यू कोर्ट के आदेश पर स्टे लग गया था। दूसरी तरफ केजरीवाल ने इस स्टे पर आज ही सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी, जिस पर सुनवाई भी हुई।

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को तत्काल राहत देने से इनकार कर दिया है। जस्टिस मनोज मिश्रा और एसवीएन भट्टी की अवकाश पीठ ने कहा कि हाईकोर्ट को अपना आदेश देने दीजिए। हम आपको 26 जून को सुनेंगे।

इससे पहले सुप्रीम कोर्ट में केजरीवाल की ओर से पेश हुए अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने कथित आबकारी घोटाले से जुड़े ईडी के मामले में जमानत आदेश पर उच्च न्यायालय की रोक हटाने का अनुरोध किया। ईडी की ओर से पेश एएसजी एसवी राजू ने केजरीवाल की याचिका का विरोध किया।

एमएचए की मंजूरी का इंतजार; ये हो सकता है नया नाम

विधानसभा में केरल का नाम बदलने का प्रस्ताव पारित

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल विधानसभा ने सोमवार को सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित किया और केंद्र से राज्य का नाम आधिकारिक तौर पर बदलकर 'केरलम' करने का आग्रह किया। विधानसभा ने दूसरी बार प्रस्ताव पारित किया। केंद्रीय गृह मंत्रालय (एमएचए) ने पहले प्रस्ताव की समीक्षा की थी और कुछ तकनीकी बदलावों का सुझाव दिया था।

मुख्यमंत्री पिनरई विजयन ने प्रस्ताव पेश किया। उन्होंने केंद्र से देश के संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल सभी भाषाओं में दक्षिण राज्य का नाम केरल से 'केरलम' करने की मांग की। प्रस्ताव पेश करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मलयालम में राज्य को 'केरलम' कहा जाता है और मलयालम भाषी समुदायों के लिए एकीकृत केरल बनाने की मांग राष्ट्रीय स्वाधीनता संग्राम के समय से ही जोरदार तरीके से उठी थी। लेकिन संविधान की पहली अनुसूची में हमारे राज्य का नाम केरल लिखा हुआ है। यह विधानसभा केंद्र से अनुरोध करती है कि संविधान के अनुच्छेद तीन के तहत इसका नाम बदलकर केरलम किया जाए। यह विधानसभा संविधान की आठवीं अनुसूची में उल्लिखित सभी भाषाओं में इसका नाम बदलकर केरलम करने का अनुरोध करती है।

यह दूसरी बार था जब राज्य विधानसभा ने राज्य के नाम में बदलाव की मांग कते हुए एक प्रस्ताव पारित किया। विधानसभा सचिवालय के सूत्रों के मुताबिक, सदन ने पिछले साल अगस्त में भी सर्वसम्मति से ऐसा ही प्रस्ताव पारित किया था और इसे केंद्र को सौंपा था। लेकिन केंद्रीय गृहमंत्रालय ने इसमें कुछ तकनीकी बदलावों का सुझाव दिया था।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि पहले के प्रस्ताव में कुछ बदलावों की जरूरत है। प्रस्ताव को सत्तारूढ़ एलडीएफ और विपक्षी कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ दोनों के सदस्यों ने स्वीकार किया। यूडीएफ विधायक एन शम्सद्दीन ने प्रस्ताव में कुछ बदलाव करने का सुझाव दिया, जिन्हें सरकार ने खारिज किया। इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष ए.एन शमसीर ने इसे सर्वसम्मति से पारित घोषित किया।

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा को बनाया गया राज्यसभा में सदन का नेता, पीयूष गोयल की जगह लेंगे

केंद्रीय मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा को राज्यसभा में सदन के नेता होंगे। वह राज्यसभा में पीयूष गोयल की जगह लेंगे। हाल में संपन्न लोकसभा चुनाव में गोयल महाराष्ट्र से निर्वाचित हुए हैं। गोयल ने आज लोकसभा सदस्य के तौर पर शपथ ली। नड्डा के पास केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय और उर्वरक व रसायन मंत्रालय का जिम्मा भी है। राज्यसभा की वेबसाइट पर भी नड्डा का नाम बतौर सदन का नेता अपडेट किया गया है।

भाजपा अध्यक्ष के रूप में नड्डा का कार्यकाल जनवरी 2024 में खत्म हो गया था। उन्हें आम चुनाव के चलते छह महने का विस्तार दिया गया था। उनका कार्यकाल जून में समाप्त हो रहा है। नड्डा ने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद यानी एबीवीपी से अपने सियासी सफर की शुरुआत की थी। वह 1991 में भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के अध्यक्ष बने। उन्हें साल 2012 में राज्यसभा के लिए चुना गया। इसके बाद 2014 में अमित शाह के पार्टी अध्यक्ष बनने पर उन्हें भाजपा संसदीय बोर्ड का अध्यक्ष बनाया गया। नड्डा ने मोदी सरकार के पहल कार्यकाल में भी केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय का जिम्मा संभाला था। उसके बाद 2019 में उन्हें भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष पद का जिम्मा दिया गया। फिर 2020 में अमित शाह के केंद्रीय गृह मंत्री बनने पर उन्हें पार्टी का पूर्ण अध्यक्ष बना दिया गया।

नीट पेपर लीक मामले में अब तक 25 गिरफ्तारियां

ममता बनर्जी ने पीएम मोदी को चिट्ठी लिखी, कहा- सेंट्रलाइज्ड एग्जाम खत्म होना चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीबीआई ने गुजरात और बिहार से एक-एक मामले में और राजस्थान से तीन मामलों में अपनी एफआईआर दर्ज की है। वहीं, महाराष्ट्र के लातूर से भी एक और मामला दर्ज किए जाने की संभावना है।

नीट परीक्षा के पेपर लीक की जांच में अब तक देश के 4 राज्यों से 25 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। इसमें बिहार से 13, झारखंड से 5, गुजरात से 5 और महाराष्ट्र से 2 शामिल हैं।

महाराष्ट्र में 23 जून को नांदेड़ जिले ने लातूर के 2 टीचर संजय तुकाराम जाधव और जलील खान उमर खान पठान, नांदेड़ के इरन्ना मशनाजी कोंगलवाव और दिल्ली के गंगाधर के खिलाफ पब्लिक एग्जाम एक्ट 2024 के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस ने जाधव और पठान को रविवार देर रात गिरफ्तार किया है, जबकि अन्य दो आरोपी फरार हैं।

सीबीआई की टीम आज बिहार और गुजरात पहुंची

मामले की जांच केंद्र सरकार ने सीबीआई को सौंपी है। सीबीआईकी टीमें आज 24 जून को बिहार और गुजरात पहुंची है। बिहार श्वह ने अपनी जांच रिपोर्ट सीबीआई को सौंप दी है। पटना में पेपर लीक के मास?टरमाइंड संजीव मुखिया की गिरफ्तारी के लिए ईओडी की 6 टीमें अलग-अलग जगहों पर छापेमारी कर रही है। वहीं नीट मामले पर अब पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिखी है। उन्होंने पीएम से कहा है कि सेंट्रलाइज्ड परीक्षा का सिस्टम खत्म हो और पहले की तरह डीसेंट्रलाइज्ड हो। यानी राज्य और केंद्र अलग-अलग परीक्षाएं आयोजित करें।

नीट परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर एनएसयूआई के सदस्यों ने दोपहर 1 बजे दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकरियों ने संसद घेरने के प्रयास में पुलिस बैरिकेड तोड़ने की भी कोशिश की। प्रदर्शन में परीक्षा रद्द करने और शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की गई।

खाड़ी देशों से फंडिंग के लिए पाकिस्तान करवा रहा जम्मू में आतंकी हमले

जम्मू (एजेंसी)। पाकिस्तान कंगाल हो चुका है। खाड़ी देशों से फंडिंग के लिए वह जम्मू में हमले करवा रहा है। कश्मीर में सुरक्षाबलों का आतंकियों पर बड़ा दबाव है। रिटायर कर्नल वीके साही ने बताया कि जम्मू में वारदातें इसलिए भी बढ़ीं क्योंकि खाड़ी देश अब कश्मीर के नाम पर पैसा नहीं दे रहे। राजोरी-पुंछ में घने जंगल और गुफाएं होने से आतंकियों को छिपने का ठिकाना मिल जाता है। पूर्व डीजीपी एसपी वैद का मानना है कि अनुच्छेद 370 हटने के बाद जम्मू को निशाना बनाया जा रहा है। सुरक्षा एजेंसियों का ध्यान भटकाना भी एक मकसद है। जम्मू-कश्मीर में शांति का दुनिया में जो संदेश गया है उसे भी पाकिस्तान भंग करना चाहता है।

सेवानिवृत्त बिग्रेडियर विजय सागर का कहना है कि गलवान घटना के बाद राजोरी-पुंछ से जवानों को लद्दाख भेजा गया था। इसलिए चीन ने पाकिस्तान पर राजोरी-पुंछ में आतंकियों को सक्रिय करने का दबाव बनाया है।

सांबा में फरवरी, 2021 में आईबी पर 14 स्टिकी बम मिले। इसके तीन महीने बाद जम्मू वायुसेना स्टेशन पर ड्रोन से हमला हुआ। सांबा से शुरू यह सिलसिला थम नहीं रहा। 2021 लेकर अब तक जम्मू संभाग में 29 आतंकी वारदातें हो चुकी हैं।

यौन शोषण मामला: जेडीएस नेता सूरज रेवन्ना को लगा एक और झटका

एक जुलाई तक सीआईडी की हिरासत में रहेंगे

बंगलूरू (एजेंसी)। यौन शोषण मामले में फंसे प्रज्वल रेवन्ना के भाई और जनता दल सेक्युलर (जेडी-एस) नेता सूरज रेवन्ना की मुश्किलें बढ़ गई हैं। दरअसल बंगलूरू की एक अदालत ने सूरज को 1 जुलाई तक आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) की हिरासत में भेज दिया है। बता दें कि सूरज रेवन्ना पर जेडी-एस के पुरुष कार्यकर्ता के यौन शोषण का आरोप है। उन्हें 23 जून को गिरफ्तार किया गया था। सीआईडी ने अदालत से सूरज की रिमांड बढ़ाने का अनुरोध किया था।

कुछ दिन पहले एक पार्टी कार्यकर्ता का कथित यौन शोषण करने के आरोप में सूरज रेवन्ना पर शनिवार को मामला दर्ज किया गया। इस मामले में सूरज के खिलाफ 'अप्राकृतिक अपराध' सहित आईपीसी की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। इस मामले में कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर कहा था, 'शिकायत आई है, इसके आधार पर कानून के अनुसार जो भी कार्रवाई की जानी है, वह की जा रही है। इसके अलावा मुझे किसी राजनीतिक साजिश के बारे में पता नहीं है।'

पार्टी कार्यकर्ता के यौन शोषण का आरोप

गौरतलब है कि 27 वर्षीय एक व्यक्ति ने पुलिस में शिकायत की थी कि होलेनरसिपुरा के विधायक एच डी रेवन्ना के सबसे बड़े बेटे सूरज रेवन्ना ने 16 जून को घन्नीकाड़ा स्थित अपने फार्महाउस में उसका यौन शोषण किया। शिकायत के आधार पर होलेनरसिपुरा पुलिस ने शनिवार देर शाम जेडीएस एमएलसी के खिलाफ आईपीसी की धारा 377 (अप्राकृतिक अपराध), 342 (गलत तरीके से बंधक बनाना) और 506 (आपराधिक धमकी) के तहत मामला दर्ज किया।

डीडीए को 'सुप्रीम' फटकार: पूछा- दिल्ली के रिज इलाके में क्यों हो रही पेड़ों की कटाई? बड़े स्तर पर हो पौधारोपण

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के उपाध्यक्ष से इस बारे में स्पष्ट बयान मांगा कि क्या रिज क्षेत्र में पेड़ों को उपराज्यपाल के आदेश या अनुमति के बिना काटा गया था। मामले में जस्टिस अभय एस ओका और उज्जल भुइयां की अवकाश पीठ ने सुनवाई करते हुए कहा कि वह डीडीए के कृत्यों की विस्तृत जांच करने का प्रस्ताव करती है, जिसके वजह से कई मूल्यवान पेड़ नष्ट हो गए और परिणामस्वरूप पर्यावरण को नुकसान पहुंचा है। फिलहाल इस मामले में अगली सुनवाई 26 जून को होगी।

डीडीए अधिकारियों को नोटिस जारी

इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम डीडीए उपाध्यक्ष को निर्देश देते हैं कि वे अदालत को बताएं कि 3 फरवरी को उपराज्यपाल के साइट निरीक्षण के दौरान क्या हुआ, इस बारे में कोई आधिकारिक रिकॉर्ड उपलब्ध है। हमें उपाध्यक्ष से तथ्यों का स्पष्ट विवरण चाहिए, क्योंकि ईमेल में जो संकेत दिया गया है अगर वह सही है, तो पेड़ों की कटाई एलजी के निर्देश पर हुई थी। हम उम्मीद करते हैं कि डीडीए इस पहलू पर स्पष्ट होगा।

'राजधानी में पेड़ काटा जाना काफी चौंकाने वाला'

सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि ये काफी चौंकाने वाला है कि राजधानी में पेड़ काटे जा रहे हैं, ये जानते हुए कि शीर्ष अदालत की अनुमति के बिना ऐसा नहीं किया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने इस दौरान टिप्पणी की कि राष्ट्रीय राजधानी में पेड़ों की कटाई की बेशर्मी को हल्के में नहीं लिया जा सकता है। और अगर अधिकारी पर्यावरण की रक्षा के अपने वैधानिक और संवैधानिक कर्तव्यों का पालन नहीं कर रहे हैं, तो अदालत को सभी अधिकारियों को स्पष्ट संदेश देना होगा कि इस तरह से पर्यावरण को नुकसान नहीं पहुंचाया जा सकता है।

बड़े पैमाने पर पौधारोपण अभियान के दिए निर्देश

शीर्ष अदालत ने कहा कि वह पूरे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में बड़े पैमाने पर पौधारोपण अभियान के लिए निर्देश जारी करने का प्रस्ताव करती है और डीडीए और अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी से इस मामले में सहायता करने को कहा। वहीं सुप्रीम कोर्ट ने इससे पहले छतरपुर से साउथ एशियन यूनिवर्सिटी तक सड़क बनाने के लिए दक्षिणी रिज के सतबारी इलाके में बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई की अनुमति देने के लिए डीडीए के उपाध्यक्ष सुभाषिश पांडा के खिलाफ आपराधिक अवमानना का नोटिस जारी किया था।

डीएमएफ के शासी परिषद की बैठक में 44 कार्यो के लिए 8.83 करोड़ रूपए का अनुमोदन

प्रभारी मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने प्रगतिरत कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश

रायपुर (समय दर्शन)। गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले के प्रभारी मंत्री और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की अध्यक्षता में आयोजित जिला खनिज संस्थान न्यास (डीएमएफ) के शासी परिषद की बैठक में 44 कार्यों के लिए 8 करोड़ 83 लाख 21 हजार रुपए का अनुमोदन किया गया। मंत्री श्री जायसवाल ने वित्तीय वर्ष 2020-21 से 2023-24 की अवधि के प्रगतिरत 418 कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही प्रगतिरत कार्यों की विस्तृत जानकारी सहित सूची उपलब्ध कराने कहा।

बैठक में कलेक्टर सह शासी परिषद की पदेन अध्यक्ष श्रीमती लीना कमलेश मंडावी ने डीएमएफ के तहत जिले को अब तक प्राप्त आबंटन, स्वीकृत एवं व्यय राशि की जानकारी दी। उन्होने बताया कि जिले को अब तक प्राप्त कुल 98 करोड़ 14 लाख रूपए की राशि प्राप्त हुई है तथा 1280 स्वीकृत कार्यों में से 862 कार्य पूर्ण हो गए है, जबकि 418 कार्य प्रगति पर है। बैठक में वर्ष 2023-24 के लिए नवीन कार्यों की विस्तृत जानकारी से परिषद को अवगत कराया।

कलेक्ट्रेट के अरपा सभाकक्ष में आयोजित शासी परिषद की बैठक में डीएमएफ के नोडल अधिकारी ने बिन्दुवार कार्यों एवं राशि की जानकारी दी। बैठक में उच्च प्राथमिकता के तहत पेयजल के लिए 3.10 लाख, स्वास्थ्य देखभाल के 131.12 लाख, शिक्षा के लिए 250 लाख, कृषि के लिए 40 लाख, स्वच्छता के लए 38.30 लाख, सतत आजीविका के लिए 48.16 लाख और जनकल्याण के लिए 26 लाख रूपए और अन्य प्राथमिकता के तहत भौतिक अधोसंरचना के लिए 119.05, सांस्कृतिक मूल्यों का संरक्षण के लिए 9.21 लाख, युवा गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए 2 करोड़ और आकस्मिक व्यय, अंकेक्षण, स्थापना व्यय के लिए 18.27 लाख का अनुमोदन किया गया है।

राजद ने लगाया आरोप, संजीव मुखिया की पत्नी है जदयू नेता, मुख्यमंत्री सहित कई के साथ हैं फोटो

पटना(एजेंसी)। नीट पेपर लीक मामले की जांच ईओयू के बाद अब सीबीआई करेगी। वहीँ इसको लेकर राजनीतिक सियासत में भी काफी हलचल है। भाजपा इस मामले को लेकर तेजस्वी यादव के पीएस से जोड़कर विपक्ष पर हमला किया। अब राष्ट्रीय जनता दल ने पेपर लीक के मास्टरमाइंड संजीव मुखिया की पत्नी को जदयू नेता बताकर सरकार को घेर रहा है। सत्ता पक्ष और विपक्ष एक दूसरे पर पेपार लीक कांड के साथ मिले होने का आरोप लगा रहे हैं। राष्ट्रीय जनता दल ने सोशल मीडिया पर दो पोस्ट किए गए हैं, जिसमें संजीव मुखिया की पत्नी ममता देवी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, मंत्री श्रवण कुमार और नीरज कुमार के साथ नजर आ रही है। वहीं दूसरे पोस्ट में चिराग पासवान के आवास पर टिकट के साथ ममता देवी की फोटो शेयर की गई है, जिसमें संजीव मुखिया भी नजर आ रहा है। सारण से लोक सभा चुनाव हारकर वापस सिंगापुर लौट गई रोहिणी आचार्य ने भी इस मामले पर सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए सरकार पर हमला किया है। रोहिणी ने लिखा है कि -'हरेक पेपर लीक, गेटिंग-सेटिंग के मामले का वर्तमान सत्ताधारी जमात से कनेक्शन जरूर होता है.. ऐसा क्यूं होता है ? कैसे होता है ? किसके संरक्षण में शैक्षणिक - आतंकवाद का ये मॉड्यूल फल-फूल रहा है ? इन सबों का जवाब इन तस्वीरों में ही है'। रोहिणी आचार्य ने इसके साथ ही चार फोटो भी पोस्ट किये हैं, जिसमें संजीव मुखिया की पत्नी ममता देवी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार सहित अन्य जगहों पर नजर आ रही हैं।

संक्षिप्त समाचार

अंग्रेजी स्कूल की तूच्चापन तो देखिए, फीस न मिलने पर ऑनलाइन परीक्षा की आईडी कर दी ब्लॉक

बिलासपुर (समय दर्शन)। फैसिलिटी वाला कहा और माना जाता है प्रबंधन ऐसी ही डींग हांक कर छात्रों और पालकों पर रुआब भी झाड़ता है। स्वयं को बड़ा स्कूल खाने वाले फीस के लिए इतनी तूच्ची हरकत करते हैं। बहतरई स्थित ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल में अध्यनरत एक छात्र के पालक ने उन्हें स्कूल प्रबंधन द्वारा भेजे गए व्हाट्सएप पर हमारे साथ शेयर किया साथ ही बताया कि उनके यहां का छात्र है। आज उनका एक ऑनलाइन परीक्षा था सुबह-सुबह व्हाट्सएप पर परीक्षा आईडी ब्लॉक होने का संदेश आया जिसमें स्पष्ट था कि फीस नहीं पटी होने के कारण ऑनलाइन परीक्षा में बैठने से वंचित किया जा रहा है। पालक आर्थिक रूप से सक्षम है तो उन्होंने तत्काल भुगतान कर दिया पर यह प्रश्न उठा की फीस न पेड होने के कारण क्या इस तरह नियमित छात्र को ऑनलाइन परीक्षा से वंचित किया जा सकता है। यह वे ही स्कूल है जो कोविड के समय फीस न मिलने पर फीस माफहो जाने पर दौड़े दौड़े छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट गए थे। जब इन्होंने अपनी नो लॉस नो प्रॉफिट की बैलेंस शीट प्रस्तुत की तब पता चला कि कथित क्रीमी लेयर वाले स्कूल अपने शिक्षकों के वेतन पर सबसे कम भुगतान करते हैं। पर जब फीस कलेक्शन की बात आती है तो साल भर में एक पालक से लाखों रुपए वसूलने वाले स्कूल की मानसिक हैसियत कितनी होती है। ईद के बकरे पर चलने वाली छुरी सबको बुरी लगती है पर इन स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों और उनके पालकों का फीस न फटने पर प्रबंधन द्वारा जो छुरी चलाई जाती है उसकी आलोचना कोई नहीं करता।

स्क्रीनशॉट के साथ आए नंबर पर हमने संपर्क किया और फोन उठाने वाले व्यक्ति को फोन करने का कारण बताया स्कूल प्रबंधन का पक्ष जानना चाहा प्रतिउत्तर में उन्होंने कहा 5 मिनट के बाद हम आपको कॉल बेक करेंगे। हमने स्पष्ट कहा कॉल बेक नहीं आने पर समाचार बगैर स्कूल प्रबंधन का पक्ष लिखे प्रकाशित होगा।

प्रतिमाह 3 लाख का मुनाफा देने का भरोसा देकर कारोबारी से एक करोड़ की धोखाधड़ी

राजनांदगांव (समय दर्शन)। शहर के कारोबारी के साथ मुंबई के एक कैटरर्स द्वारा एक करोड़ रुपए धोखाधड़ी करने का मामला सामने आया है। कोतवाली पुलिस ने कारोबारी की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है। मुंबई के रहने वाले कैटरर्स ने कारोबारी को अपने कारोबार से होने वाले मुनाफे में से प्रतिमाह 3 लाख रुपए देने का भरोसा जीतकर रकम हासिल की थी। बाद में वह मुकर गया, मामला 2013 का है। तकरीबन 11 साल पुराने इस मामले में पुलिस ने अब जांच के बाद जुर्म दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक शहर के सनसिटी के रहने वाले विकास बोहरा ने मुंबई के मेसर्स सनशाईन कैटरर्स प्रा.लि. के डायरेक्टर अरूण अग्रवाल को साल 2013 में अलग-अलग तारीखों में कुल एक करोड़ रुपए चेक के जरिये भुगतान किया। उक्त रकम हासिल करने से पहले कारोबारी ने शहर के व्यवसायी विकास बोहरा को हर महीने 3 लाख रुपए मुनाफा देने का वायदा किया था। रकम लेने के बाद मुंबई का व्यवसायी वादे से फिर गया। इस दौरान कोविडकाल में कैटरर्स के डायरेक्टर अरूण अग्रवाल की मौत हो गई, उसके निधन के बाद कंपनी की ज्वाईंट डायरेक्टर अग्रवाल की पत्नी सुनिता अग्रवाल ने कामकाज संहाला। उन्होंने भी एक करोड़ की रकम वापस करने के लिए राजनांदगांव में आकर सेटलमेंट के तहत प्रतिमाह 20 किस्तों में 5 लाख रुपए देने का वायदा किया। सुनीता अग्रवाल द्वारा बोहरा का भरोसा जीतने के लिए मुम्बई के प्रभा देवी ब्रांच के केनरा बैंक का चेक भी दिया गया। पर्याप्त राशि के अभाव और खाता बंद होने के कारण चेक बाउंस हो गया। बताया जा रहा है कि विकास बोहरा ने कुल 6 चेक में 25 लाख, 10 लाख, 30 लाख समेत एक करोड़ रुपए दिया था। प्राफिट नहीं होने के बाद मृतक अरूण अग्रवाल और उसकी पत्नी सुनीता अग्रवाल से शिकायतकर्ता ने रकम वापस करने की मांग की। आज पर्यन्त रकम नहीं मिलने के कारण पीड़ित ने अपने साथ हुए धोखाधड़ी के मामले को लेकर पुलिस से शिकायत की है। पुलिस ने धोखाधड़ी के तहत मामला दर्ज करते आरोपी की जल्द गिरफ्तारी के लिए टीम गठित की है।

27 जून को ग्राम लिटिया में जिला स्तरीय जन समस्या निवारण शिविर

दुर्ग। जिले के धमधा विकासखंड के ग्राम लिटिया में गुरुवार 27 जून 2024 को जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित की जाएगी। जिला प्रशासन द्वारा आयोजित इस शिविर में समस्त विभाग के जिला स्तरीय अधिकारियों को उपस्थिति सुनिश्चित करने कहा गया है। शिविर शासकीय हाई स्कूल भवन लिटिया में पूर्वाह्न 10रू30 बजे से प्रारंभ होगी।

कमला कॉलेज में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस आयोजित

राजनांदगांव (समय दर्शन)। शासकीय कमलादेवी राठी स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय, राजनांदगांव के क्रीड़ा विभाग एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के सौजन्य से 21 जून 2024 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में समस्त महाविद्यालयीन स्टॉफ, छात्राएं एवं अन्य सदस्यों ने भाग लिया।

कार्यक्रम के संचालन करते हुए क्रीड़ाधिकारी डॉ. नीता एस. नायर ने योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का थीम महिला सशक्तिकरण एवं योग है। इस उद्देश्य को ध्यान रखते हुए डॉ. नीता एस. नायर ने महिलाओं एवं छात्राओं को अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखने हेतु नियमित रूप से योग करने की सलाह दी। महर्षि पंतजलि द्वारा अष्टांग योग जिसके अंतर्गत यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, साधना, ध्यान एवं समाधि आते है। हम सभी आसन एवं प्राणायाम को ही योग समझते है, जबकि योग का अभ्यास करने वाले व्यक्ति को अपने व्यवहार एवं आहार में संयम रखनी चाहिए एवं स्वस्थ्य रहने के लिए योग को अपने दिनचर्या में नियमित रूप से शामिल करना चाहिए, जिससे हम स्वस्थ्य एवं निरोगी रह सके।

कार्यक्रम के प्रारंभ के प्राचार्य डॉ. आलोक मिश्रा द्वारा योग की महत्ता पर प्रकाश डाला गया तथा सभी को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं दी गई।

योग प्रशिक्षक खिलेन्द्र कुमार सोनी ने शासन द्वारा जारी योगाभ्यास कम (प्रोटोकॉल) के अनुसार विभिन्न आसन जिसके अंतर्गत वृक्षासन, पादहस्तासन, अर्धचकासन, त्रिकोणासन, भद्रासन, वज्रासन, उष्ट्रासन, शाशकासन, शवासन एवं प्राणायाम के अंतर्गत कपालभाति, अनुलोम विलोम, भ्रामरी प्राणायाम, शीतली प्राणायाम आदि कराया एवं उससे होने वाले लाभ के बारे में जानकारी दी। उक्त कार्यक्रम में महाविद्यालय के करीब 30 प्राध्यापक-सहायक प्राध्यापक-कर्मचारीगण एवं 25 छात्राएं उपस्थित रही।

अंत में रासेयो कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती रामकुमारी धुर्वा ने महाविद्यालय के सभी अधिकारी, योग प्रशिक्षक खिलेन्द्र सोनी एवं छात्राओं को राष्ट्रीय महत्व के इस कार्यक्रम में सम्मिलित होकर इसे सफल बनाने हेतु धन्यवाद ज्ञापित किया।

निगम परिसर स्थित दुर्गा मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए महापौर ने आयुक्त व सभापति के संग किया भूमिपूजन

- महापौर निधि पांच लाख से नगर निगम परिसर दुर्गा मंदिर के बाजू अतिरिक्त कक्ष निर्माण :अतिशीघ्र कार्य प्रारंभ करने के निर्देश

दुर्ग (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम मुख्यालय स्थित माता दुर्गा मंदिर परिसर में सोमवार को मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए महापौर धीरज बाकलीवाल ने आयुक्त लोकेश चन्द्राकर,सभापति राजेश यादव एवं एमआईसी सदस्य,पार्षद व अधिकारी/कर्मचारी संग भूमि पूजन किया.बता दे कि समिति के सदस्यों द्वारा मंदिर के जीर्णोद्धार किया जायेगा.पंडित अमन शर्मा ने वैदिक मंत्रोच्चार बीच भूमि पूजन कराया, समिति के सदस्यों ने बताया की निगम मुख्यालय स्थित माता दुर्गा मंदिर परिसर में आज मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए भूमि पूजन हुआ.बता दे कि मंदिर करीब 50 से अधिक वर्षों पुराना इस मंदिर का जीर्णोद्धार का बीड़ा समिति के सदस्यों ने उठाया है.भूमि पूजन के मौके पर आयुक्त लोकेशचन्द्राकर,सभापति राजेश यादव,अब्दुल गनी,संजय कोहले, दीपक साहू,भोला महोविया, जमुना साहू,नीता जैन,ज्ञानदास बंजारे,निर्मला साहू, गुड्डू यादव, कार्यपालन अभियंता दिनेश नेताम,दुर्गेश गुप्ता,शुभम गोइर,लता यादव,हेमलता वर्मा,साक्षी वर्मा के अलावा आदि मौजूद रहें।आपको बता दे कि महापौर धीरज बाकलीवाल ने अपने महापौर निधि से वार्ड 29 अस्पताल वार्ड नगर निगम कार्यालय में दुर्गा मंदिर के बाजू अतिरिक्त कक्ष निर्माण हेतु नगर निगम कार्यालय स्थित माता दुर्गा मंदिर के बाजू अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य हेतु 500000/- अक्षरी पांच लाख रूपये मात्र व्यय किये जाने अनुशंसा किया गया है।उन्होंने अतिशीघ्र कार्य आरंभ कर पूर्ण करने की बात कही।निगम परिसर ने माता दुर्गा मंदिर निर्माण के लिए महापौर ने भूमि पूजन कर मंदिर जीर्णोद्धार निर्माण का कार्य जल्द आरंभ करने के निर्देश अधिकारी एवं ठेकेदार को दिये।महापौर ने कहा कि मंदिर आस्था के केंद्र होते हैं।

नगर निगम ने भेजा हाउसिंग बोर्ड कालोनी को 45 लाख का डिमांड नोटिस

- निगम की टीम ने संपत्ति की जांच कर लोगो को निगम द्वारा दी जा रही 6 प्रतिशत छूट की जानकारी दी
- अगर आप भी इस महीने करते है प्रॉपर्टी टैक्स जमा तो मिलेगा 6 प्रतिशत छूट का फायदा

दुर्ग (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम।आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने लोगो से अपील कर कहा कि जितनी जल्दी करदाता संपत्तिकर की राशि जमा करेंगे। 6 प्रतिशत छूट करदाताओं को चालू वर्ष संपत्तिकर में मिलेगा। अति शीघ्र करदाता संपत्तिकर जमा करें और संपत्तिकर में छूट का फायदा उठाएं।राजस्व वसूली को लेकर दुर्ग निगम का अभियान लगातार जारी है। निगम के राजस्व विभाग अमला द्वारा बकायादारों के घर-घर पहुंचकर संपत्तिकर की जांच के साथ साथ राजस्व वसूली कर रही है। राजस्व अधिकारी दुर्गेश गुप्ता व सहायक राजस्व अधिकारी भूपेंद्र शुभम गोइर द्वारा शहर के अलग अलग क्षेत्रो में टीम के संग वसूली को लेकर निगम अमला सुबह से सक्रिय रहे।अफसरों ने बताया कि बड़े बकायादारों से निरंतर संपर्क अभियान चलाया जा रहा है। इस कड़ी में आज बड़े बकायदारों से लगातार संपर्क किया गया है,सालों से टैक्स नहीं भुगतान करने वाले करदाताओं से टैक्स जमा करने कहा गया।इस क्रम में आज चण्डी मंदिर के सामने केक फेक्ट्री का टेक्स लेने पहुँचे।वार्ड 33 अमृत मिशन योजना के अंतर्गत नल कनेक्शन वार्ड मे कब से लगा हुआ है और कब से अमृत मिशन योजना के अंतर्गत नल कनेक्शन दिया गया है जांच कर जलकर वसूली की जा रही है।इस प्रकार होटल अल्का पैलेस के संचालक द्वारा आज कार्यालय पहुँचकर टैक्स देने की बात कही।इसी तरह दौरे के दौरान जांच में पाया गया कि पद्मनाभपुर में अधिकांश घर को किराए में दिए हुए है।मालिको पर कमर्शियल टैक्स लगने के निर्देश दिया गया है एवं इसकी जांच कर टैक्स की राशि बढ़ाने को कहा गया ।राजस्व अधिकारी दुर्गेश गुप्ता व सहायक राजस्व अधिकारी भूपेंद्र शुभम गोइर द्वारा टीम के साथ अलग अलग शहर के क्षेत्रों में दौरा कर जांच के साथ साथ टैक्स वसूली का कार्य किया जा रहा है.वार्ड क्रमांक 59 में सुबह नल कनेक्शन का डिमांड जांच करके करदाताओं से टैक्स लेने की कहा गया।राजस्व अधिकारी दुर्गेश गुप्ता ने टीम को कहा कि साकेत कॉलोनी वार्ड 59 में अमृत मिशन के तहत घर-घर नल कनेक्शन दिया गया है।लोगो के द्वारा जलकर नही दिया गया है।उन्होंने भ्रमण के दौरान कहा कि 15 से 20 लोगो के द्वारा जलकर राशि जमा करने की सहमति दी गई है।जलकार्य निरीक्षक को सहायक राजस्व निरीक्षक के साथ जाकर जलकर राशि जमा करने के निर्देश दिए।नगर निगम की टीम ने संपत्ति की जांच कर लोगो को निगम की चलाई जा रही 6 प्रतिशत छूट के बारे में भी जानकारी बताई।

पिथौरा गौरव पथ खतरे मे, ठेकेदार की लापरवाही

पिथौरा(समय दर्शन)। हो सकता है कभी भी हादसा । 28 करोड़ के कार्य में लगातार सुर्खियों में रहता है पिथौरा का गौरव पथ।

महासमुंद जिले के पिथौरा तहसील में सालो से गौरव पथ का मांग की जा रही थी,सालो के प्रयास के बाद पिछले साल पिथौरा नगर में गौरव पथ (28 करोड़ रु.) को मंजूरी मिली। पूरे क्षेत्र के लोगों ने बहुत ही हर्षित मन से छ.ग. शासन का शुक्रियादा किया था । विगत महीनों से गौरव पथ निर्माण कार्य चल रहा है।गौरव पथ में नगर के अनेक लोगो व्यवसायियों ने अपने मकान दुकान की आहुति भी दे दी। ताकि गौरव पथ मार्ग बनाने में किसी भी प्रकार की समस्या न हो । अब निर्माण कार्य किया जा रहा है तो ठेकेदार की भारी लापरवाही देखने को मिल रही है, नगर में योजनाबद्ध तरीके से गौरव पथ निर्माण कार्य नही किया जा रहा है। नगर में कही भी गड्ढा करके कार्य को अधूरा ही छोड़ दिया जा रहा है,जिसमे पानी का ठहराव, लोगो को आने जाने में भारी समस्या, आए दिन गाड़ियों का एक्सीडेंट हो रहा है। बिजली के खंभों के होते हुए भी रोड को कंक्रीट कर दिया जा रहा है। जिससे बिजली के खंभे रोड के बीच में आ रहे है, साइड इंजीनियर के अनुसार इन खंभों को बाद में फिर से रोड को तोड़कर निकालने की बात कही जा रही है। जिससे साफ है रोड में दुबारा कार्य करना होगा। जिससे रोड में फिर लागत आएगी और शासन को भारी नुकसान होगा। मतलब साफ है, गौरव पथ निर्माण कार्य में भारी लापरवाही बरती जा रही है।

सोचने वाली बात यह है की गौरव पथ निर्माण कार्य में लगे ठेकेदार को किसका संरक्षण प्राप्त है ? जिसके कारण प्रशासन मौन है? निर्माण कार्य में भारी अनियमितताओं के बावजूद, उच्च अधिकारियों का चुप्पी साधे रहना कहा तक सही? अब देखना यह होगा की प्रशासन कब अपने संज्ञान में लेती है? की इसी प्रकार लगातार सुर्खियों में रहेगा पिथौरा का गौरव पथ ?

महतारी वंदन योजना : बच्चों के भविष्य गढ़ने में काम आ रही योजना की राशि

महिलाओं ने मुख्यमंत्री श्री साय के प्रति जताया आभार

मुंगेली (समय दर्शन)। राज्य शासन की महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना से प्राप्त राशि से महिलाएं अपने बच्चों का बेहतर भविष्य बुन रही है। कोई बच्चों के पढ़ाई, तो कोई बैंक खाते में जमा कर रही हैं। विकासखण्ड पथरिया के ग्राम धरदेई की श्रीमती पिंकी साहू ने बताया कि महतारी वंदन योजना के तहत मार्च को पहला किश्त उनके खाते में आया। इसके पश्चात उन्होंने अपनी बेटी रिया साहू के नाम से सुकन्या समृद्धि योजना के तहत खाता खुलवाया है और प्रतिमाह 500 रूपए उस खाते में राशि जमा कर रही है। इसी तरह ग्राम चंदखुरी निवासी श्रीमती लता भारती महतारी वंदन योजना के तहत प्राप्त राशि का उपयोग अपने बच्चों की पढ़ाई के साथ घरेलू खर्चे में कर रही है। ग्राम अमोरा भिलाई निवासी श्रीमती शांति मेहर ने बताया कि योजना के तहत प्रतिमाह 01 हजार रूपए डीबीटी के माध्यम से उनके बैंक खाते में हस्तांतरित हो रहा है। इस राशि का उपयोग वह अपने व बच्चों के स्वास्थ्य एवं पढ़ाई में कर रही है। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सरकार ने महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए महतारी वंदन योजना की शुरूआत की है, जिसके तहत सभी विवाहित पात्र महिलाओं को प्रतिमाह 01 हजार रूपए उनके बैंक खाते में अंतरित की जा रही है। इस योजना से जिले की महिलाएं काफी खुश हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया है।

लंगूरवीर मंदिर को कब्जा मुक्त करवाने राष्ट्रीय बजरंग दल ने खोला मोर्चा

कब्जा स्थल के सामने प्रदर्शन कर प्रशासन व नर्सिंग होम संचालक को सद्बुद्धि प्रदान करने किया हनुमान चालीसा का पाठ

दुर्ग (समय दर्शन)। राष्ट्रीय बजरंग दल छत्तीसगढ़ ने आपापुरा वार्ड अंतर्गत स्थित श्री लंगूरवीर मंदिर के मुख्य प्रवेश द्वार से अतिक्रमण हटाने मोर्चा खोल दिया है। इसे लेकर बजरंगियों द्वारा सोमवार को कोठारी नर्सिंग होम के सामने जमकर प्रदर्शन किया गया। इस दौरान उन्होंने शासन- प्रशासन और नर्सिंग होम प्रबंधन को सद्बुद्धि प्रदान करने हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ कर मंदिर के मुख्य प्रवेश द्वार से अतिक्रमण हटाने अपनी मांगे दोहराई। प्रदर्शनकारी बजरंगी सैकड़ो की संख्या में कलेक्ट्रेट भी पहुंचे।यहां उन्होंने जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंप कर अपनी मांगों से अवगत कराया। यह प्रदर्शन राष्ट्रीय बजरंग दल छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष जी साई कृष्णा राव के नेतृत्व में किया गया। उनका आरोप था कि कोठारी नर्सिंग होम के संचालक द्वारा श्री लंगूरवीर मंदिर के मुख्य प्रवेश द्वार पर अतिक्रमण कर प्रवेश द्वार को बंद कर दिया गया है। यह कृत्य कर कोठारी नर्सिंग होम के संचालक ने भूमि के लिए हुए इकरारनामा का उल्लंघन किया है। इकरारनामा में भूमि के उपयोग के लिए शर्तों का स्पष्ट उल्लेख है। नगर निगम द्वारा कोठारी नर्सिंग होम को दिए बिल्डिंग परमिशन में भी इकरारनामा का पालन सुनिश्चित करने का जिक्र किया गया हैं, लेकिन सारे नियमों व शर्तों को दरकिनार कर प्राचीन मंदिर के मुख्य प्रवेश द्वार को बंद कर दिया गया है। जिससे आवागमन बाधित हो रहा है। राष्ट्रीय बजरंग दल छत्तीसगढ़ के मांगों पर जिला प्रशासन द्वारा जल्द ही बैठक बुलाकर समस्या समाधान के लिए उचित कार्रवाई का बजरंगी को भरोसा दिलाया गया है। इस संबंध में राष्ट्रीय बजरंग दल छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष जी साई कृष्णा राव ने मीडिया से चर्चा में कहा कि श्री लंगूरवीर मंदिर से लोगों की आस्था जुडी हुई है। मंदिर का मुख्य प्रवेश द्वार अतिक्रमण मुक्त होना चाहिए। जन भावनाओं को ध्यान में रखते हुए शासन व प्रशासन को अतिक्रमणकारी के खिलाफ शीघ्र उचित कार्रवाई करनी चाहिए। अगर शासन व प्रशासन राष्ट्रीय बजरंग दल के मांगों की अनदेखी करती है, तो हम खुद मंदिर को अतिक्रमण मुक्त करने बाध्य होंगे। श्री राव ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद, राष्ट्रीय बजरंग दल का 6 वर्ष पूर्व 24 जून को डॉ. प्रवीण तोगड़िया ने स्थापना की थी। स्थापना दिवस पर बजरंगियों द्वारा भिलाई पावर हाउस से रैली निकल कर कलेक्ट्रेट पहुंचे। यहां श्री लंगूरवीर मंदिर के मुख्य प्रवेश द्वार को अतिक्रमण मुक्त करने हुंकार भरी गई। प्रदर्शन में राष्ट्रीय बजरंग दल छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष जी साई कृष्णा राव, अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद प्रदेश महामंत्री महेंद्र साव, प्रदेश संगठन मंत्री राहुल वाडिवा, बजरंग दल प्रदेश महामंत्री विक्रांत शर्मा, विभाग अध्यक्ष वेणु गोपाल, जिला अध्यक्ष मुकेश सोनकर, जिला महामंत्री शशांक शर्मा, श्री लंगूरवीर मंदिर जीणोद्धार समिति संरक्षक गोविंद प्रसाद दीक्षित, ट्रस्टी आनंददेव ताम्रकार, नरेंद्र सोनकर, प्रांजल त्रिपाठी के अलावा सैकड़ो की संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए।

सार समाचार

अवैध शराब बेचते तीन गिरफ्तार

रायपुर(समय दर्शन)। राजधानी पुलिस ने अलग-अलग थाना क्षेत्रों में अभियान चलाकर अवैध शराब बेचते तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 58 पाव देशी शराब और बिक्री रकम 450 रुपए जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार गुढ़ियारी पुलिस ने खालबाड़ा के पास आरोपी सरोज बेसरा 30 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसके पास से 22 पाव देशी शराब एवं बिक्री रकम 240 रुपए जब्त किया है। वहीं माना पुलिस ने आरोपी रोहित साहू 31 वर्ष के पास से 22 पाव देशी शराब जब्त किया है। इसी तरह विधानसभा पुलिस ने ग्राम नरदहा के पास आरोपी चेलन कुलकर्णी 24 वर्ष के पास से 14 पाव देशी शराब व बिक्री रकम 210 रुपए जब्त किया है। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

नौकरी दिलाने का झांसा देकर साढ़े 9 लाख की ठगी

रायपुर(समय दर्शन)। रेलवे विभाग में टिकट मास्टर के पद पर नौकरी दिलाने का झांसा देकर साढ़े 9 लाख की ठगी करने का मामला प्रकाश में आया है। प्रार्थी की शिकायत पर खमतराई पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी आई.शिवकुमार 29 वर्ष बुनियाद नगर भनपुरी का रहने वाला है। बताया जाता है कि आरोपी संतोष धनुरे और रीना सोनी ने प्रार्थी को रेलवे विभाग में टिकट मास्टर के पद पर नौकरी दिलाने का झांसा देकर 4 दिसंबर 2020 से लेकर 20 फरवरी 2023 के मध्य विभिन्न किस्तों में 9 लाख 50 हजार रुपए ऐंठ लिए। जब नौकरी नहीं लगवा पाया, तो प्रार्थी ने अपना पैसा वापस मांगा। पैसे नहीं देने पर प्रार्थी ने इसकी शिकायत खमतराई थाना में की। मामले में पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 420, 34 के तहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

युवक से मारपीट

रायपुर(समय दर्शन)। पंडरी ओव्हरब्रीज के पास पुरानी रंजिश के चलते एक युवक ने दूसरे युवक से गाली-गलौज कर मारपीट किया। प्रार्थी की शिकायत पर सिविल लाइन पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी अब्दुल जसीम 45 वर्ष बेहरा कालोनी पंडरी का रहने वाला है। बताया जाता है कि आरोपी इम्मु ने पुरानी रंजिश के चलते प्रार्थी से गाली-गलौज कर मारपीट किया। प्रार्थी की शिकायत पर सिविल लाइन पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 294, 506, 323 के तहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

7055 देवगुड़ी-मातागुड़ी और 3455 वन अधिकार मान्यता पत्र स्थलों में होगा वृक्षारोपण

मुख्यमंत्री साय की विशेष पहल : बस्तर अंचल में आस्था के केन्द्रों पर होगी हरियाली

बैगा, सिरहा, मांझी, चालकी, गुनिया, गायता, पुजारी सहित जनप्रतिनिधि होंगे शामिल

बस्तर संभाग के 7 जिलों में 5.62 लाख से अधिक पौधरोपण के लिए बनाई गई रणनीति

रायपुर(समय दर्शन)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की पहल पर बस्तर अंचल के आस्था के केन्द्रों के आसपास आने वाले दिनों में हरियाली होगी। अंचल के इन आस्था के केन्द्रों में विशेष अभियान चलाकर वृक्षारोपण किया जाएगा। वृक्षारोपण की इस मुहिम में जनजाति समुदायों को भी भागीदार बनाया जाएगा। गौरतलब है कि जनजाति समुदाय एवं अन्य परम्परागत वन निवासियों का जल, जंगल और जमीन के साथ-साथ सेवी-अर्जी स्थलों पर अटूट आस्था रखते हैं। देव-माता गुड़ी स्थल के आसपास वृक्षों को देवता समतुल्य मान्यता है, गुड़ी स्थल पर स्थित पेड़ पौधों को संरक्षित रखने की परंपरा है। पौधरोपण के इस अभियान में बस्तर अंचल के 7055 देवगुड़ी-मातागुड़ी के आसपास वृक्षारोपण के अलावा 3455 वन अधिकार मान्यता पत्र स्थलों में वृक्षारोपण किया जाएगा। इन सभी क्षेत्रों का कुल रकबा 2607.200 हेक्टेयर है। देवगुड़ी और मातागुड़ी के अलावा प्राचीन स्मारक आदि स्थलों के आसपास भी वृक्षारोपण किया जाएगा। यहां फ्लदार, छायादार पौधे यथा नीम, आम, जामून, करजी, अमलताश के पौधों के साथ ही ग्रामवासियों के सुझाव अनुसार अन्य पौधे रोपे जाएंगे। बस्तर अंचल के 7 जिलों में 5.62 लाख पौधे रोपने के लिए बस्तर कमिश्नर द्वारा रणनीति तैयार की गई है। उन्होंने सातों जिलों में वृक्षारोपण कार्य के लिए जिला पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को नोडल अधिकारी का दायित्व दिया है। उन्होंने कहा है कि बस्तर अंचल में वृक्षारोपण के दिन ग्राम प्रमुख, बैगा, सिरहा, पेरमा, मांझी, चालकी, गुनिया, गायता, पुजारी, पटेल, बजनिया, अटपहरिया और जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जाए।

केंद्रीय योजनाओं में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी : बृजमोहन

किसानों को भूमि अधिग्रहण की राशि शीघ्र प्रदान करने एनएचएआई को दिए निर्देश

रायपुर(समय दर्शन)। सांसद बनने के बाद बृजमोहन अग्रवाल अब केंद्रीय योजनाओं को लेकर एक्शन मोड में आ गए हैं। भारतमाला राष्ट्रीय राजमार्ग योजना के लिए अभनपुर क्षेत्र के किसानों की अधिग्रहित की हुई भूमि की मुआवजा राशि 78करोड़ अब तक नहीं मिला है। किसानों ने इस बात की शिकायत सांसद बृजमोहन अग्रवाल से की। जिस पर बृजमोहन अग्रवाल ने कमिश्नर संजय अलंग, कलेक्टर गौरव सिंह और राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के आरओ एके सिंह को एक सप्ताह के भीतर मुआवजा राशि प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। जानकारी के मुताबिक रायपुर विशाखापट् ?टनम राष्ट्रीय राजमार्ग भारत माला प्रोजेक्ट के तहत ग्राम भेलवाडीह,टोकरो, नायकबांधा उरला अभनपुर के कृषकों की अर्जित भूमि का मुआवजा राशि का भुगतान का आदेश 30 जून 2022 को पारित हो गया था। परंतु अभी तक भुगतान नहीं किया गया है। बताया गया कि नव पदस्थ एनएचआई के अधिकारी ने भुगतान राशि 30 प्रतिशत ज्यादा होने को लिए अपनी रिपोर्ट दे दी। जिसके चलते भुगतान का मामला अटक गया। इस मामले में किसानों की शिकायत मिलने के बाद सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने संबद्ध समस्त अधिकारियों से फोन पर चर्चा की और एक सप्ताह के भीतर 75प्रतिशत राशि का भुगतान किसानों को किए जाने के निर्देश दिए। सांसद अग्रवाल ने अधिकारियों के समक्ष नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि आपने जमीन अधिग्रहण कर लिया है और बिना मुआवजा दिए निर्माण भी कर दिया, जो की अनुचित है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि भूमि अधिग्रहण के बाद जब तक मुआवजा नहीं हो जाता किसानों की जमीन का उपयोग नहीं होना चाहिए, यही हमारी भाजपा सरकार की मंशा भी है।

भाजपा के राज में शांत छत्तीसगढ़ अशांत हो गया है

रायपुर(समय दर्शन)। भाजपा के राज में शांत छत्तीसगढ़ अशांत हो गया है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि अराजकता का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि अपराधी इतने ज्यादा बेलगाम हो गये है कि राज्य में एसपी कलेक्टर कार्यालय जलाये जा रहे माबलीचिंग हो रही, थाने में चाकूबाजी हो रही सरकार सुशासन का राग अलाप रही। जबसे राज्य में भाजपा की सरकार बनी है। नागरिको को भय के माहौल जीवन जीना पड़ रहा है। अपराधी बेलगाम हो गये है। साय सरकार के राज में महिलाओं के प्रति अपराधों में बेतहाशा बढ़ोतरी हो गयी है। मासूम बच्चियों के साथ घृणित दुराचार की घटनाये बढ़ गयी। रोज समाचारों में प्रदेश भर में तीन से चार मासूम अबोध बच्चियों के साथ तथा सामूहिक दुराचार की घटनाओं की खबरे सामने आ रही। छह माह में प्रदेश में 86 से अधिक हत्याओं की घटना हो गयी है। लूट, चाकूबाजी, चैन स्नेचिंग तो रायपुर की पहचान बन गया है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि राजधानी से लगे आरंग में माब लीचिंग में तीन लोगो की पीट-पीटकर हत्या कर दी जाती है। सरकार अपराधियों पर कड़ी कार्यवाही करने के बजाये उनको संरक्षण देने में लगी है। हत्यारों पर हत्या का मुकदमा दर्ज 302 के तहत करने के बजाय सरकार सदोष मानव वध का मुकदमा 304 के तहत दर्ज करवाया है ताकि अपराधियों को बचाया जा सके। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि गृहमंत्री का गृह जिला तो हत्या, लूट, मानव तस्करी का केंद्र बन गया है। 6 माह में एक दर्जन से अधिक दुर्दांत हत्या में कवर्धा में हुई है। हर दिन बलात्कार की घटनाये हो रही है। गृहमंत्री अपना गृह जिला नहीं संभाल पा रहे है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि हाई कोर्ट ने बिलासपुर की कानून व्यवस्था पर सवाल खड़ा किया था, लेकिन पूरे प्रदेश में यही हालात है। 6 माह में छत्तीसगढ़ अपराध का गढ़ बन गया है। गुंडे, अपराधी, लूटेरे, चोर बेलगाम हो गये है, बलात्कार और हत्यायें आम हो गयी है। इन घटनाओं को रोकने की दिशा में सरकार की तरफ से कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा। सत्तारूढ़ दल के लोग अपराधियों के पैरोकार बन गये है। पुलिस की पीसीआर वैन तो वसूली वैन बन चुकी है जो नशाखोरों, अपराधियों को चंद रुपयों के बदले संरक्षण देती है। हाई कोर्ट की टिप्पणी राज्य की जर्जर कानून व्यवस्था का आईना है।

तलाक नहीं देने पर शराब कारोबारी ने अपनी पत्नी को बेरहमी से पीटा...

रायपुर(समय दर्शन)। राजधानी में अपनी बी के साथ मारपीट कर हैवानियत करने का दिल दहला देने वाला वीडियो सामने आया है। जिसमें एक शख्स बड़ी ही बेरहमी से अपनी पत्नी की पिटाई के बाद घसीटते हुए नजर आ रहा है। पीड़िता ने पुलिस पर कोई भी कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाते हुए न्याय की गुहार लगाई है। पीड़िता ने बोरियाखुर्द निवासी पति शराब ठेकेदार प्रियप्रकाश गुप्ता उर्फ राजू और अपने देवर पर बेरहमी से मारपीट कर अश्लील हरकतें करने का आरोप लगाया है। वायरल वीडियो में पति प्रियप्रकाश अपनी पत्नी की बेरहमी से सड़क पर मारते हुए नजर आ रहा है। पीड़िता ने पत्नी के रहते दो शादी करने पर पत्नी द्वारा तलाक नहीं देने की बात पर पति अपने भाई प्रभाष गुप्ता उर्फ़ काजू गुप्ता के साथ मिलकर बेरहमी से मारने पीटने का आरोप लगाया है। इतना ही नहीं पीड़िता ने अपने देवर और पति पर पिटाई के बाद अश्लील हरकत करने के भी आरोप लगाये हैं। वहीं पीड़िता ने पुलिस पर भी आरोप लगाते हुए बताया कि पिछले कई दिनों से शिकायत करने पर टिकरापारा थाना पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की।

बारिश सीजन शुरु होते ही सांपों का बढ़ा खतरा

रायपुर(समय दर्शन)। बारिश का सीजन शुरू होते ही अब जहरीले जीव-जंतुओं का खतरा बढ़ जाएगा। घरों में सांप निकलने की घटनाएं अब लगातार बढ़ेंगी। ऐसे में जरुरत है कि हम सांपों से दूर रहें तथा तत्काल सर्पमित्रों की सहायता लें। राजधानी रायपुर में कई सर्पमित्र सांप पकड़ने में लगे हुए है। उनको सिर्फ एक काल करिए, वे तुरंत सांप का रेक्स्यू करने पहुंच जाएंगे और सांप किसी सुरक्षित जगह में भी छोड़ देंगे। निशुल्क सेवा देने वाले सर्पमित्रों के कारण लोगों को हर साल बहुत मदद मिलती है। नोवा नेचर सोसायटी के सचिव मोइज अहमद ने बताया कि शुक्रवार को शहर में दिनभर में 20 सांपों के रेक्स्यू किया है। इसके अलावा अभी जून माह से रोज 10 से 15 फोन काल आ रहे है। उन्होंने बताया कि 2008 से सांप पकड़ने का कार्य कर रहे है। सोसायटी में कई युवा शामिल है। उन्होंने कहा कि शहर में दिखने वाले ज्यादातर सांप जहरीले नहीं होते है। इसलिए सांपों को देखकर घबराने की जरूरत नहीं है। जब भी कोई सांप दिखे तो तुरंत सर्पमित्र को काल करें। सर्पमित्र मोइज अहमद मो. 9303345640, चेतन सिंह मो. 9770868835, टेकेश्वर सागरवंशी मो. 83059 28980 तथा बबलू राव मो. 6268582212 पर संपर्क कर मदद ले सकते हैं।

दिल्ली में जल संकट को लेकर अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठीं दिल्ली की मंत्री आतिशी की डॉक्टर द्वारा जांच की जा रही है।

छत्तीसगढ़ में मानसून हुआ सक्रिय, चौतरफा बारिश से खिले चेहरे

रायपुर(समय दर्शन)। राजधानी सहित छत्तीसगढ़ में मानसून का आगमन हो चुका है, आज सुबह से बादल काफी बरसे है, आज दिनभर बारिश की प्रबल सम्भावना है। व्यापक बारिश होने की संभावना है। 24 जून को वर्षा की गतिविधियों में कुछ कमी आ सकती है। 26 जून से कई स्थानों पर मध्यम से भारी बारिश होने की संभावना है। शनिवार तक प्रदेश के सभी जिलों में मानसूनी वर्षा होने लगी है। प्रदेश में सुकमा में 8 जून को मानसून पहुंच गया था, लेकिन रायपुर में इसे पहुंचने में 13 व पूरे प्रदेश में पहुंचने में 14 दिन लग गया है। पिछले 24 घंटे में रायपुर में तो हल्की वर्षा हुई, लेकिन प्रदेश के कई जिलों में व्यापक बारिश हुई है। रायपुर में महज सुबह साढ़े 8 बजे तक 14.6 मिमी पानी गिरा। जबकि, पाटन में 10 सेमी पानी बरस गया। अब बारिश को लेकर दिनभर राजधानी तर-बतर रहने की सम्भावना है। मौसम वैज्ञानिक गायत्री वाणी कंचीभोतिया के अनुसार प्रदेश में मानसून सक्रिय है। अच्छे सिस्टम भी बने हैं इसलिए व्यापक वर्षा हो रही है। दक्षिण पश्चिम मानसून पेंड्रा, कोरबा और रायगढ़ जिले के कुछ हिस्से तक पहुंच गया है। अब सरगुजा संभाग की ओर बढ़ रहा है। अहम बात यह है कि मानसून रायपुर को पार कर चुका है, लेकिन अभी तक यहां झमाझम बारिश नहीं हुई है। हवा में नमी की मात्रा 90 फीसदी तक पहुंच गई है।

अब राजधानी में नीट-जेईई की तैयारी करेंगे कोरबा के मेधावी छात्र : लखनलाल देवांगन

मंत्री लखनलाल देवांगन ने विद्यार्थियों की बस को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

रायपुर(समय दर्शन)। वाणिज्य, उद्योग एवं श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन की उपस्थिति में रविवार को कोरबा कलेक्ट्रेट के सभाकक्ष में जिले के मेधावी विद्यार्थियों के लिए जेईई, नीट के नि:शुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। उन्होंने सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए निरंतर कड़ी मेहनत कर लक्ष्य प्राप्त करने की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर विधायक पाली तानाखार तुलेश्वर सिंह मरकाम, महापौर नगर निगम राजकिशोर प्रसाद, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती शिवकला छत्रपाल सिंह कंवर, कलेक्टर अजीत वसंत, सीईओ जिला पंचायत संबित मिश्रा, निगमायुक्त श्रीमती प्रतिष्ठा ममगाई, जिला शिक्षा अधिकारी टी.पी. उपाध्याय, सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी कर्मचारी, विद्यार्थी एवं उनके पालक उपस्थित थे। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री देवांगन ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा सराहनीय पहल करते हुए यह कार्यक्रम प्रारंभ किया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रशासन द्वारा निरंतर विकास कार्य किया जा रहा है। खनिज प्रभावित जिलों में शिक्षा, स्वास्थ्य सहित अन्य क्षेत्रों में विकास हेतु सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि जिले के 100 मेधावी छात्र-छात्राओं को मेडिकल इंजीनियरिंग जैसे उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए राष्ट्रीय स्तर की जेईई, नीट जैसे प्रवेश परीक्षा की नि:शुल्क तैयारी हेतु व्यवस्था की गई है। यह आप सभी के लिए सुनहरा अवसर है। इस अवसर का लाभ उठाएं, आप सभी आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़े, कार्ययोजना बनाकर परीक्षा की तैयारी करें, सफलता जरूर मिलेगी। उन्होंने बच्चों का उत्साह वर्धन करते हुए कहा कि आज से आपकी जिंदगी एक नया मोड़ ले रही है। आपके बेहतर कल की शुरुआत आज से हो रही है। अपने भविष्य को ऊँचे आयाम तक पहुंचाने की जिम्मेदारी आपकी है। इस हेतु आप सभी अपने कर्तव्यों का पूरी निष्ठा से पालन करें। खुद पर पूर्ण विश्वास रखें, आने वाली चुनौतियो के लिए खुद को तैयार रखे, खूब मेहनत करें एवं अपने लक्ष्य को हासिल कर अपने परिवार, जिला एवं देश-प्रदेश का नाम पूरी दुनिया मे रौशन करें। विधायक पाली तानाखार मरकाम ने बच्चों के बेहतर शिक्षा हेतु चलाए जा रहे जिला प्रशासन के इस पहल की सराहना की। उन्होंने छात्र-छात्राओं से अपना लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़ने एवं कड़ी मेहनत से अपनी मंजिल को हासिल करने की शुभकामनाएं दी। महापौर प्रसाद ने कहा कि आप सभी के बेहतर भविष्य के लिए आपके परिजन सहित जिला प्रशासन द्वारा सपना देखा गया है। इस हेतु आने वाले चुनौतियों के लिए खुद को अभी से तैयार करें। आपके कदम सफलता के मार्ग में हैं और आप मेहनत से अपने सपनों को पूरा कर सकेंगें। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कंवर ने भी बच्चों को अपने मंजिल को प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करने एवं परेशानियों का निर्भीक होकर सामना करने के लिए कहा। कलेक्टर वसंत ने बच्चों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आप के जीवन की सफलता की शुरुआत आज हो रही है। आप सभी ने 10वीं बोर्ड परीक्षा में खूब मेहनत कर अच्छा परिणाम प्राप्त किया है, इसी तरह आगे भी आप पूरी लगन से अध्ययन करते रहे। उन्होंने कहा कि नीट, जेईई की निशुल्क आवासीय कोचिंग हेतु आप सभी 100 मेधावी छात्र छात्राओं का चयन किया गया है। आपको गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने हेतु पूरी व्यवस्था की गई है। आप सभी की तैयारी में आने वाले खर्च का वहन छत्तीसगढ़ शासन एवं जिला प्रशासन द्वारा किया जा रहा है। आप सभी इसका महत्व समझे एवं इस मौके का पूरा लाभ उठाएं, आप सभी निरंतर दृढ़ इच्छाशक्ति से मेहनत कर सफलता अर्जित करें एवं आगामी वर्षो में बोर्ड परीक्षा दिलाने वाले जिले के बच्चों के लिए प्रेरणा स्त्रोत बनें। जिससे वे सभी इस कार्यक्रम का लाभ उठाने हेतु परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन के लिए स्वत: प्रेरित रहें।

संपादकीय

गर्मी से हाल बेहाल और जल संकट

गर्मी के कारण हाल बेहाल है। समूचा उत्तर भारत तप रहा है। बुजुर्गों की स्मृति में भी नहीं है कि उन्होंने पहले कभी इतनी प्रचंड गर्मी की लगातार मार सही हो। दिल्ली और एनसीआर जैसे क्षेत्रों से लू के कारण मरने वालों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। और दूसरी तरफ जब देश की राजधानी दिल्ली में पानी के लिए हाहाकार मचा हुआ है तो देश के जलाभाव वाले क्षेत्रों में क्या स्थिति होगी, उसकी कल्पना करना कठिन नहीं है। जो हो रहा है, वह अनायास या अचानक नहीं हो रहा है। दुनिया भर के पर्यावरणविद् और जलवेत्ता वर्षों से इस स्थिति की आशंका के प्रति चेतावनी जारी करते रहे हैं। भारत में भी बदलते तापमान और तद्जन्य समस्याओं को लेकर लगातार अपनी बातें सामने रखते रहे हैं।

पानी के संकट को लेकर और देश भर में भूजल स्तर की डरावनी गिरावट को लेकर भी चेतावनियां जारी होती रही हैं। इसका कारण खोजने के लिए अतिरिक्त अन्वेषण की जरूरत नहीं है। असंतुलित विकास की भेंट चढ़े देश के वन जंगल, निर्ममता से नष्ट किए गए स्थानिक जल स्रेत और जल संसाधनों पर तीव्र गति से बढ़ती जनसंख्या के दबाव के कारण यह स्थिति पेश हुई है। देश भर में गांव-देहातों तक जिन छोटी-छोटी नदियों का जाल बिछा हुआ था और जो पोखर तालाब जल के संरक्षण के मुख्य वाहक होते थे, वे अब कहीं दिखाई नहीं देते। मनुष्य के अनियंत्रित लालच और हर स्तर पर व्याप्त भ्रष्टाचार ने स्थितियों को कई गुना जटिल किया है तिस पर राजनीतिक दलों की बेहयाई समस्या की आग में घी डालती रहती है।

सबसे ज्यादा मौजूदा उदाहरण इस समय दिल्ली का है। दिल्ली में दिल्लीवासियों की कथित सेवा को समर्पित आम आदमी पार्टी की सरकार है, और केंद्र में देश हित के लिए जीने-मरने का दावा करने वाली भाजपा सरकार है और तमाशा यह है कि दोनों ही पार्टियों के प्रतिनिधि दिल्ली के जल संकट के लिए एक दूसरे पर पूरी बेशर्मी से हल्ला बोल रहे हैं। जब दिल्ली के लोग पानी के लिए त्राहि त्राहि कर रहे हैं उस समय दो जिम्मेदार पार्टियों और उनकी सरकारों के इस रवैये को शर्मनाक ही कहा जा सकता है। कहने में कोई संकोच नहीं कि अगर वास्तविक समस्याओं के प्रति जिम्मेदारी राजनीतिक दलों को रुख इतना गैर-जिम्मेदार है, तो देश और इसकी राजधानी को आने वाले भयानक संकटों से कोई नहीं बचा पाएगा।

संविधान की दुहाई देने वाली पार्टी कांग्रेस ने ही संविधान का अपमान कर देश में आपातकाल लगाया था

नीरज कुमार दुबे

विपक्ष ने लोकसभा चुनावों के दौरान आरोप लगाया कि यदि मोदी सरकार दोबारा सत्ता में आई तो संविधान खत्म कर देगी। चुनावों के बाद जब फ़िर से मोदी सरकार आ गयी तो लोकसभा के पहले सत्र के पहले दिन विपक्ष ने संविधान की प्रतियां हाथ में लेकर संसद परिसर में मार्च निकाला और सरकार को आगाह किया कि वह संविधान से कोई छेड़छाड़ नहीं करे। यहां सवाल उठता है कि क्या कोई सरकार संविधान से छेड़छाड़ कर सकती है? सवाल यह भी उठता है कि क्या आज तक संविधान से किसी ने छेड़छाड़ की है? सवाल यह भी उठता है कि क्या भारत में आज तक कोई ऐसा राजनीतिज्ञ हुआ है या कोई ऐसी राजनीतिक पार्टी रही है जिसने संविधान से ऊपर अपने हितों को रखा हो। इन सब प्रश्नों का उत्तर ढूँढ़ेंगे तो जवाब मिलेगा कांग्रेस और इंदिरा गांधी। कांग्रेस ही वह पार्टी है और इंदिरा गांधी ही वह राजनीतिज्ञ हैं जिन्होंने अपने हितों की पूर्ति के लिए संविधान को ताक पर रख दिया था।

हम आपको याद दिला दें कि इतिहास में 25 जून का दिन भारत के लिहाज से एक महत्वपूर्ण घटना का गवाह रहा है क्योंकि 1975 में इस दिन तत्कालीन इंदिरा गांधी सरकार ने मनमाने तरीके से देश में आपातकाल थोप दिया था। हम आपको बता दें कि 25 जून 1975 से 21 मार्च 1977 तक की 21 महीने की अवधि में भारत में आपातकाल रहा था। तत्कालीन राष्ट्रपति फ़ख़रुद्दीन अली अहमद ने तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की सरकार की सिफ़ारिश पर भारतीय संविधान के अनुच्छेद 352 के अधीन देश में आपातकाल की घोषणा की थी। देखा जाये तो स्वतंत्र भारत के इतिहास में यह सबसे विवादास्पद काल था। यह भी दुर्भाग्यपूर्ण था कि आजादी के महज 28 साल बाद ही देश को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के कारण आपातकाल के दंश से गुजरना पड़ा था। इसकी वजह से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी भारत की छवि काफ़ी प्रभावित हुई थी और आज भी विश्व इतिहास में यह दर्ज है कि भारत भले लोकतंत्र की जननी है लेकिन कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में इस लोकतंत्र को जेल की सींखचों के पीछे डाल दिया गया था।

हम आपको बता दें कि 1975 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी तानाशाह इसलिए बन गयी थीं और देश पर आपातकाल इसलिए थोप दिया था क्योंकि एक पुराना मामला राजनीतिक रूप से उनके लिए बड़ी मुश्किलों का सबब बन गया था। दरअसल 1971 में हुए लोकसभा चुनाव में इंदिरा गांधी ने अपने मुख्य प्रतिद्वंद्वी राज नारायण को रायबरेली संसदीय क्षेत्र में पराजित किया था। लेकिन चुनाव परिणाम आने के चार साल बाद राज नारायण ने हाईकोर्ट में चुनाव परिणाम को चुनौती दी। उन्होंने दलील दी थी कि इंदिरा गांधी ने चुनाव में सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग किया, चुनाव में तय सीमा से अधिक पैसे खर्च किए और मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए ग़लत तरीकों का इस्तेमाल किया। मामले पर सुनवाई करते हुए इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने 12 जून 1975 को इंदिरा गांधी को आरोपों में दोषी पाया और छह साल के लिए पद से बेदखल कर दिया तथा इंदिरा गांधी के चिर प्रतिद्वंद्वी राज नारायण सिंह को चुनाव में विजयी घोषित कर दिया।

अदालत के इस फैसले ने देश में बड़ा राजनीतिक तूफ़ान खड़ा कर दिया। विपक्ष इंदिरा सरकार पर हमलावर हो गया क्योंकि इंदिरा गांधी पर चुनाव के दौरान भारत सरकार के अधिकारी और अपने निजी सचिव यशपाल कपूर को अपना इलेक्शन एजेंट बनाने, स्वामी अवैतानंद को 50,000 रुपये घूस देकर रायबरेली से ही उम्मीदवार बनाने, वायुसेना के विमानों का दुरुपयोग करने, डीएम-एसपी की अवैध मदद लेने, मतदाताओं को लुभाने हेतु शराब, कंबल आदि बांटने और निर्धारित सीमा से अधिक खर्च करने जैसे 14 आरोप सिद्ध हुए थे।

अदालत का फैसला सामने आते ही पूरी कांग्रेस और सरकार इंदिरा गांधी के नेतृत्व में एकजुट हो गयी और पार्टी नेताओं ने इंदिरा गांधी को इस्तीफ़ा देने से मना किया। कांग्रेस कार्यकर्ता इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस जगमोहन लाल सिन्हा के खिलाफ नारे लगाते हुए प्रदर्शन करने लगे और इस पूरे प्रकरण को अमेरिकी खुफ़िया एजेंसी सीआईए की साजिश बताने लगे। इंदिरा गांधी के पक्ष में नारेबाजी होने लगी। नेताओं में एक से बढ़कर एक चापलूसी वाले बयान देने की होड़ लग गयी। इसी दौरान तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष देवकांत बरुआ ने 'इंदिरा इज इंडिया और इंडिया इज इंदिरा' का नारा दे दिया जिससे चापलूसी की सारी हदें पार हो गयीं। पूर्व प्रधानमंत्री और तत्कालीन कांग्रेस नेता चंद्रशेखर ने हालांकि इस दौरान इंदिरा गांधी को जयप्रकाश नारायण से नहीं उलझने की सीख देकर उन दोनों नेताओं के बीच वार्ता कराने का प्रस्ताव दिया था लेकिन कांग्रेस में उनकी किसी ने नहीं सुनी। इंदिरा गांधी ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले को नहीं स्वीकार किया और न्यायपालिका का उपहास कर फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दे डाली।

इस बीच, इंदिरा गांधी का हठ देखकर समूचा विपक्ष एकजुट हो गया और न्यायालय द्वारा अयोग्य घोषित इंदिरा गांधी के इस्तीफे की मांग तेज हो गयी। पूरा विपक्ष राष्ट्रपति भवन के सामने धरना देकर विरोध दर्ज करा रहा था। इसके अलावा देश भर के शहर, जलसे, जुलूस और विरोध प्रदर्शन के गवाह बन रहे थे। 22 जून 1975 को दिल्ली में आयोजित रैली को जयप्रकाश नारायण समेत कई अन्य बड़े नेता संबोधित करने वाले थे। यह खबर सामने आते ही कांग्रेस इतनी डर गयी थी कि उसने कोलकाता-दिल्ली के बीच की वह उड़ान ही निरस्त करा दी जिससे जयप्रकाश नारायण दिल्ली आने वाले थे। इसी बीच, 24 जून को सुप्रीम कोर्ट ने इंदिरा गांधी की उस याचिका पर फैसला सुना दिया जिसके तहत उन्होंने इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश को बरकरार रखा, हालांकि इंदिरा गांधी को प्रधानमंत्री की कुर्सी पर बने रहने की इजाजत दे दी। इस फैसले से विपक्ष में जहां नया जोश आ गया वहीं इंदिरा गांधी बौखला गयीं।

विपक्ष की जो जनसभा दिल्ली के रामलीला मैदान में 22 जून को होने वाली थी वह आखिरकार 25 जून को हुई। खचाखच भरे रामलीला मैदान में 'महंगाई और भ्रष्टाचार, सत्ता सब की जिम्मेदार', 'हिंदू-मुस्लिम सिख-ईसाई, सबके घर में है महंगाई', 'सिंहासन खाली करो कि जनता आती है', जैसे तमाम नारे गूंजते रहे। जनसभा को तमाम विपक्षी नेताओं ने संबोधित किया और जब जयप्रकाश नारायण मंच पर आये तब उन्होंने स्पष्ट शब्दों में इंदिरा गांधी के इस्तीफे की मांग कर डाली और इंदिरा गांधी सरकार के अस्तित्व को मानने से इंकार कर दिया। जयप्रकाश नारायण ने इंदिरा गांधी के इस्तीफ़ा देने तक देश भर में रोज प्रदर्शन करने का आह्वान किया। इस आह्वान के तुरंत बाद जनता जब सड़कों पर उतरने लगी तो इंदिरा गांधी सरकार की हालत बिगड़ने लगी। इसलिए रामलीला मैदान में विपक्ष की जनसभा के कुछ घंटों बाद ही तत्कालीन सरकार ने भारत में लोकतंत्र का गला घोंट दिया।

अपने खिलाफ विपक्ष की एकजुटता और विरोध प्रदर्शन बढ़ते देख इंदिरा गांधी ने 25-26 जून की रात को आपातकाल लगाने का फैसला किया और रात्रि को ही राष्ट्रपति फ़खरुद्दीन अली अहमद के दस्तखत के साथ भारत में आपातकाल लागू हो गया। अगली सुबह समूचे देश ने रेडियो पर इंदिरा गांधी की आवाज में संदेश सुना कि भाइयों और बहनों, राष्ट्रपति जी ने आपातकाल की घोषणा की है। लेकिन इससे सामान्य लोगों को डरने की जरूरत नहीं है। लोगों को आपातकाल का मतलब तब समझ आया जब उन्हें पता चला कि उनके सभी मौलिक अधिकारों को स्थगित कर दिया गया है। इसके साथ ही सरकार विरोधी भाषणों और किसी भी प्रकार के प्रदर्शन पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया है। इससे जनता नाराज हुई और सड़कों पर उतरने लगी लेकिन सड़क पर उतरने वाले हर शख्स को जेलों में ठूंस दिया गया था।

हम आपको बता दें कि आपातकाल के दौरान कांग्रेस ने आम आदमी की आवाज को कुचलने के लिए जिस धारा-352 का दुरुपयोग किया था उसके तहत सरकार को उस समय असीमित अधिकार प्राप्त थे जिसके तहत इंदिरा गांधी जब तक चाहें सत्ता में रह सकती थीं और लोकसभा-विधानसभा के लिए चुनाव की जरूरत नहीं थी। यही नहीं मीडिया और अखबार आजाद नहीं थे और सरकार कैसा भी कानून पास करा सकती थी। उस समय मीसा और डीआईआर कानून के तहत देश में एक लाख से ज्यादा लोगों को जेलों में ठूंस दिया गया। उस काले दौर में जेल-यातनाओं की दहला देने वाली कहानियां भरी पड़ी हैं। देश के जितने भी बड़े विपक्षी नेता थे, सभी के सभी सलाखों के पीछे डाल दिए गए। राजनीतिक बंदियों की अपने परिवारों से मुलाकात तक पर पाबंदी लगा दी गई थी। नेता ही नहीं अदालतें भी एक तरह से कैद हो चुकी थीं। किसी को जमानत नहीं दी जा रही थी और मानव अधिकारों के उल्लंघन पर स्वत: संज्ञान नहीं लिया जा रहा था। राजनीतिक कार्यकर्ता जेल में मानसिक-शारीरिक यातनाएं सह रहे थे। पुलिस हिरासत और जेलों में मौत हो रही थीं लेकिन कहीं कोई सुनने वाला नहीं था।

आपातकाल के दौरान ही देश में परिवारवाद भी जोर पकड़ने लगा था। उस समय इंदिरा गांधी के उत्तराधिकारी के रूप में संजय गांधी सत्ता के असंवैधानिक केंद्र बन चुके थे और अपने दोस्त बंसी लाल, विद्याचरण शुक्ल और ओम मेहता की तिकड़ी के जरिए देश को चला रहे थे। संजय गांधी ने विद्याचरण शुक्ला को सूचना प्रसारण मंत्री बनवा दिया था जिन्होंने मीडिया पर सरकार की इजाजत के बिना कुछ भी लिखने-बोलने पर पाबंदी लगा दी थी। जिसने भी उनका आदेश मानने से इंकार किया था उसे जेलों में डाल दिया गया था। यही नहीं, आपातकाल के दौर में भगत सिंह और चंद्रशेखर आजाद पर बनी फ़िल्मों, किशोर कुमार के गानों, महात्मा गांधी और रवींद्रनाथ टैगोर के उद्धरणों तक पर प्रतिबंध लगा दिया गया था।

बहरहाल, देखा जाये तो आपातकाल के ''काले दिनों'' को कभी नहीं भूला जा सकता जब संस्थानों को सुनियोजित तरीके से ध्वस्त कर दिया गया था। आपातकाल की बरसी हमें निरंकुश ताकतों के खिलाफ विद्रोह तथा तानाशाही, भ्रष्टाचार और वंशवाद के विरुद्ध संग्राम का सबक और साहस भी देती है। लोकतंत्र की मूल अवधारणाओं को तभी मजबूत किया जा सकता है जब हम तानाशाहों के खिलाफ आवाज उठाते रहेंगे। हमें उस राजनीतिक दल और उस राजनीतिक परिवार से भी सावधान रहना होगा जो लोकतंत्र और संविधान के बारे में बातें तो बड़ी-बड़ी करते हैं लेकिन उनका इतिहास सत्ता के सुख के लिए और एक परिवार की खातिर देश को जेल में तब्दील कर देने का है।

महर्षि पतंजलि ने योग की जटिलताओं को एक सूत्र में पिरोया जिसे हम पतंजलि योगसूत्र के नाम से जानते है

योग एक अति प्राचीन कला है जिसकी उत्पत्ति भारत में लगभग 6000 साल पहले हुई थी।योग शब्द की उत्पत्ति संस्कृत के युज धातु से हुई है, जिसके दो अर्थ हैं ङ्क एक अर्थ है; जोड़ना और दूसरा अर्थ है ङ्क अनुशासन। ऐसा माना जाता है कि योग की उत्पति ब्रह्माण्ड में मानव जीवन की उत्पत्ति के पूर्व हुई है।योग का जन्म धर्म एवं आस्था के जन्म से पूर्व हुआ है क्योंकि सर्वप्रथम योग गुरु भगवान शिव को माना जाता है। भगवान शिव को आदियोगी भी कहते हैं।कई हजार वर्ष पहले, हिमालय में कांति सरोवर झील के तटों पर आदि योगी ने अपने प्रबुद्ध ज्ञान को अपने प्रसिद्ध सप्?तऋषि को प्रदान किया था। सप्तऋषियों ने योग को पूरे विश्व में यथारूप में फैलाया। महर्षि अगस्त ने विशेष रूप से भारतीय उपमहाद्वीप का दौरा कर इस महाद्वीप में योग संस्कृति की उत्पत्ति की आधारशिला रखी। सिंधु घाटी सभ्यता में कई मूर्तियां और जीवाश्मों के अध्ययन से यह सिद्ध होता है कि योग सिंधु घाटी सभ्यता के लोगो के जीवनशैली का महत्वपूर्ण अंग था।हिन्दू ,बौद्ध और जैन समाज की प्राचीन परंपराओं , दर्शन शास्त्रों,वेदों, उपनिषद्, रामायण, महाभारत एवं पवित्र श्रीमद् भगवत गीता में योग का उल्लेख भारत में योग के प्राचीन काल से विद्यमान होने के प्रयाप्त साक्ष्य प्रस्तुत करते हैं।प्राचीन काल में योग करने के काफी कठिन नियम होते थे। सामान्यतः लोग गृहस्तजीवन त्याग कर वनो में कठिन योग क्रियाएं करते थे ।परंतु समय के साथ ही योग की जटिलताओं को अनेक ऋषियों ने सामान्य करने का प्रयास किया है।परंतु महर्षि पतंजलि इस क्रम में एक अलग ही ख्याति अर्जित करने में सफल हुए क्योंकि महर्षि पतंजलि ने योग की जटिलताओं को एक सूत्र में पिरोया जिसे हम पतंजलि योगसूत्र के नाम से जानते है। वर्तमान काल में भी पतंजलि योगसूत्र से व्यक्ति सामान्यतः परिचित है। इस सूत्र को अष्टांग योग के नाम से भी जानते है जो कि यम,नियम,आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा,ध्यान , समाधि से मिलकर बना है।20 वीं सदी के अंतिम चरण से वर्तमान 21 वीं सदी तक आसन एवं प्राणायाम मुख्य रूप से प्रचलन में हैं।

योग सूत्र के प्रणेता महर्षि पतंजलि ने योग को परिभाषित करते हुए कहा है - 'योगष्चित्तवृत्तिनिरोधः' अर्थात् चित्त की वृत्तियों का निरोध करना ही योग है। चित्त का तात्पर्य, अन्तःकरण से है।

वहीं,महर्षि याज्ञवल्क्य ने योग को परिभाषित करते हुए कहा है- 'संयोग योग इत्युक्तो जीवात्मपरमात्मनो।' अर्थात जीवात्मा व परमात्मा के संयोग की अवस्था का नाम ही योग है

श्रीमद्भगवद्गीता में योगेश्वर श्रीकृष्ण ने कुछ इस प्रकार से परिभाषित किया है। योगस्थः कुरु कर्माणि संगं त्यक्त्वा धनंजयः। सिद्ध्यसिद्ध्योः समो भूत्वा समत्वं योग उच्यते।। अर्थात् - हे धनंजय! तू आसक्ति त्यागकर समत्व भाव से कार्य कर। सिद्धि और असिद्धि में समता-बुद्धि से कार्य करना ही योग हैं।योगः कर्मसुकौशलम्।। अर्थात् कर्मो में कुशलता में कुशलता ही योग है

लिंग पुराण मे महर्षि व्यास ने कहा है कि -सर्वार्थ विषय प्राप्तिरात्मनो योग उच्यते। अर्थात् आत्मा को समस्त विषयो की प्राप्ति होना योग कहा जाता है।

भीषण गर्मी से खुला काम करने वाले मजदूरों को सबसे ज्यादा नुकसान क्यों ?

प्रियंका सौरभ

भारत में हाल ही में आई भीषण गर्मी से डेली वर्कर्स, विशेषकर डिलीवरी कर्मियों, ईंट-भट्ठों पर काम करने वालों और दिहाड़ीदार मजदूरों के लिए कामकाजी परिस्थितियां गंभीर हो गई हैं। भीषण गर्मी ने खुला काम करने वाले वर्कर्स के लिए कठोर कार्य स्थितियों और उनके सामने आने वाली चुनौतियों को उजागर किया है। इस भीषण गर्मी में कई लोग खुले वातावरण और गर्म मौसम में काम करने के लिए मजबूर हैं। अगर वे काम नहीं करेंगे, तो उनके घर खाना नहीं पकेगा। यह उनके जीवन-यापन का एकमात्र साधन है। ऐसे लोग अक्सर काफ़ी गरीबी में जीने के लिए विवश होते हैं। साफ पानी जैसी आधारभूत सुविधाओं से वंचित झुग्गियों के घर टिन या तारपोलिन की छतों के नीचे तपती गर्मी झेलते हैं। चूंकि ये काम ज्यादातर खुले वातावरण में ही करने पड़ते हैं, तो भीषण गर्मी में इन लोगों के बीमार पड़ने का खतरा भी ज्यादा रहता है।इनकी जरूरतों को पूरा करने के लिए चल रहे प्रयासों और नई पहलों को विकसित किया जाना चाहिए, जिससे उनकी भलाई और वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

भारत में हाल ही में आई भीषण गर्मी ने कई क्षेत्रों में तापमान को 45 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंचा दिया है , जिससे डेली वर्कर्स, खासकर डिलीवरी कर्मियों और दिहाड़ीदार मजदूरों के सामने आने वाली चुनौतियों में इज़ाफ़ा हुआ है। इस प्रकार के खुला काम करने वाले इस दौरान श्रमिक पर्याप्त स्वास्थ्य-सुरक्षा उपायों और न्यूनतम ब्रेक के बिना चरम मौसम की स्थिति के लंबे समय तक संपर्क में रहने के कारण गर्मी से थकावट और निर्जलीकरण से पीड़ित हुए हैं, जिससे पता नहीं कितनों की जान असमय गई है। दिहाड़ीदार मजदूर स्थायी नौकरियों के बजाय अल्पकालिक अनुबंध या फ्रीलांस काम करते है। इस में उबर, स्विगी और ज़ोमैटो जैसे डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म के ज़रिए अस्थायी, लचीले और प्रोजेक्ट-आधारित काम करने वाले भी शामिल हैं । ये नौकरियाँ लचीलापन प्रदान करती हैं , लेकिन इन लोगों को पारंपरिक रोज़गार से जुड़े लाभों और सुरक्षाओं का अभाव होता है।

अगर वे काम नहीं करेंगे, तो उनके घर खाना नहीं पकेगा। यह उनके जीवन-यापन का एकमात्र साधन है। ऐसे लोग अक्सर काफ़ी गरीबी में जीने के लिए विवश होते हैं। साफ पानी जैसी आधारभूत सुविधाओं से वंचित झुग्गियों के घर टिन या तारपोलिन की छतों के नीचे तपती गर्मी झेलते हैं। चूंकि ये काम ज्यादातर खुले वातावरण में ही करने पड़ते हैं, तो भीषण गर्मी में इन लोगों के बीमार पड़ने का खतरा भी ज्यादा रहता है। ऐसे श्रमिकों को अक्सर स्वास्थ्य बीमा, सेवानिवृत्ति लाभ या सवेतन अवकाश की सुविधा नहीं मिलती, जिससे बीमारी या चोट के समय वे आर्थिक रूप से कमजोर हो जाते हैं। श्रमिकों की आय अत्यधिक परिवर्तनशील और अप्रत्याशित होती है, जिससे वित्तीय योजना बनाना मुश्किल हो जाता है। श्रमिकों को कठोर कार्य स्थितियों का सामना करना पड़ता है, जिसमें चरम मौसम का सामना करना भी शामिल है।इनको आमतौर पर स्वतंत्र ठेकेदारों के रूप में वर्गीकृत किया जाता है, जिससे उन्हें कई श्रम सुरक्षा से वंचित रखा जाता है जो औपचारिक कर्मचारियों को प्राप्त होती हैं।

ऐसे विपरीतसमय में श्रमिकों को संरक्षण और निष्पक्ष व्यवहार के लिए आवश्यक प्रबंध करने की जरूरत है। सामाजिक सुरक्षा और स्वास्थ्य लाभ के लिए वर्कर्स को स्वास्थ्य बीमा, मातृत्व लाभ और पेंशन सहित सामाजिक सुरक्षा लाभ प्रदान करनाबहुत जरूरी है। उदाहरण के लिए: राजस्थान प्लेटफ़ॉर्म आधारित वर्कर्स (पंजीकरण और कल्याण) विधेयक, 2023 का उद्देश्य वर्कर्स को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना है, जो अन्य राज्यों के लिए अनुकरणीय मिसाल कायम करेगा। वर्कर्स के लिए एक न्यूनतम वेतन नीति स्थापित करना ताकि एक स्थिर आय और न्यूनतम भुगतान किए गए घंटे या कमाई सुनिश्चित हो सके। जैसे सिंगापुर के प्रस्तावित विधायी परिवर्तनों में श्रमिकों के लिए कार्य-चोट बीमा और पेंशन कवरेज का विस्तार करना शामिल है, जिसका भारत भी अनुकरण कर सकता है।

वर्कर्स को कर्मचारी के रूप में मान्यता देना या उन्हें समान अधिकार और सुरक्षा प्रदान करना समय की मांग है। इसमें संगठित होने और यूनियन बनाने का अधिकार शामिल है। उदाहरण के लिए: यूके और कैलिफ़ोर्निया में कानूनी लड़ाइयों के कारण वर्कर्स को कर्मचारी के रूप में मान्यता मिली है, जो न्यूनतम वेतन और अन्य लाभों के हकदार हैं । सुरक्षित कार्य परिस्थितियाँ सुनिश्चित करने के लिए जिसमें सुरक्षात्मक गियर, नियमित ब्रेक और चरम मौसम से श्रमिकों की सुरक्षा के उपाय शामिल हैं। उदाहरण के लिए: निष्पक्ष व्यवहार और शिकायत निवारण तंत्र को बढ़ावा देने के लिए भारत में दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं , लेकिन इनको मज़बूत करने की आवश्यकता है। स्वतंत्र श्रम न्यायालयों की स्थापना करना और यह सुनिश्चित करना कि उनमें मामलों को तुरंत और निष्पक्ष रूप से निपटाने की क्षमता हो। उदाहरण के लिए: कतर की श्रम विवाद समितियों ने न्याय तक पहुँच में सुधार किया है , लेकिन देरी और प्रवर्तन संबंधी मुद्दे बने हुए हैं, जिसके लिए और सुधार की आवश्यकता है।

वर्कर्स की रोजगार क्षमता और आय क्षमता को बढ़ाने के लिए कौशल विकास कार्यक्रम शुरू करनाभी आवश्यक है। इसमें वित्तीय साक्षरता और डिजिटल कौशल का प्रशिक्षण शामिल हो। उदाहरण के लिए: स्किल इंडिया जैसी सरकारी पहलों का विस्तार करके वर्कर्स को विशेष रूप से लक्षित किया जा सकता है , ताकि उन्हें प्रासंगिक कौशल और प्रशिक्षण प्रदान किया जा सके। कल्याणकारी योजनाओं के पंजीकरण और पहुँच को सरल बनाने के लिए डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म का उपयोग कर सेवा वितरण में सुधार के लिए वर्कर डेटा को राष्ट्रीय श्रम डेटाबेस में एकीकृत करना श्रमिकों के लिए फ़ायदेमंद स्कीम बनाने में सहायक होगा। उदाहरण के लिए: भारत का ई-श्रम पोर्टल, जिसका उद्देश्य असंगठित श्रमिकों का राष्ट्रीय डेटाबेस बनाना है, वर्कर्स को शामिल करने के लिए इसका लाभ उठाया जा सकता है , ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उन्हें समय पर लाभ मिले। भारत में वर्कर्स के अधिकारों की रक्षा और उनके साथ उचित व्यवहार सुनिश्चित करने के लिए व्यापक और अच्छी तरह से लागू किए गए उपायों की आवश्यकता है।

घर में पालना चाहते हैं तोता, तो रखें वास्तु शास्त्र के नियमों का ध्यान

वास्तु शास्त्र में घर में सकारात्मक ऊर्जा के संचार के लिए विस्तार से बताया है कि कौन सी वस्तु को किस स्थान पर रखना चाहिए। यहां तक वास्तु शास्त्र में पशु-पक्षियों को घर में रखने के नियम बताए गए हैं। वास्तु शास्त्र के नियमों का पालन करने से घर में नकारात्मकता दूर होती है।

वास्तु शास्त्र में घर में सकारात्मक ऊर्जा के संचार के लिए विस्तार से बताया है कि कौन सी वस्तु को किस स्थान पर रखना चाहिए। यहां तक वास्तु शास्त्र में पशु-पक्षियों को घर में रखने के नियम बताए गए हैं। वास्तु शास्त्र के नियमों का पालन करने से घर में नकारात्मकता दूर होती है। कई लोगों को घर में तोता पालना अच्छा लगता है, लेकिन क्या आपको पता है कि यह घर के लिए शुभ है या नहीं।

वास्तु शास्त्र के अनुसार तोता पालना शुभ या अशुभ

वास्तु शास्त्र में बताया गया है कि घर में तोता पालने से सकारात्मकता का माहौल बनता है। यह घर की नकारात्मक ऊर्जा को दूर कर देता है। तोते का बोलने घर के लिए शुभ माना जाता है।

तोता को घर में रखनी की दिशा

वास्तु शास्त्र के नियमों को मानें तो तोते को उत्तर या पूर्व दिशा की तरफ रखा जा सकता है। उत्तर दिशा बुध ग्रह की दिशा होती है। बुद्ध बुद्धि के प्रतीक समझें जाते हैं। ऐसे में इस दिशा में तोते को रखने से बच्चों का पढ़ाई में मन लगा रहेगा। पूर्व दिशा को माना जाता है कि वह सूर्य की दिशा है। सूर्य शक्ति और सफलता के प्रतीक हैं। ऐसे में इस दिशा में तोता रखने से आपके घर में समृद्धि का वास होगा।

पिंजरे में तोता रखना सही या गलत

तोता को पिंजरे में रखने के बाद यह जरूर देखें कि वह खुश तो है। ऐसा माना जाता है कि तोता अगर पिंजरे में रहना पसंद नहीं करता है, तो घर से खुशियां चली जाती हैं। यह आपके घर में नकारात्मकता का माहौल बना देगी।

कब है कृष्णपिंगल संकष्टी चतुर्थी

शुभ मुहूर्त और महत्व

चतुर्थी के दिन गणेश जी का पूजन किया जाता है। बप्पा को प्रसन्न करने के लिए यह दिन खास होता है। आय, सुख और सौभाग्य में अपार वृद्धि होती है। भगवान गणेश के साथ-साथ इस दिन चंद्रमा की पूजा का भी विधान है। चंद्रमा की पूजा के बिना ये व्रत अधूरा माना जाता है।

मान्यताओं के अनुसार, आषाढ़ महीने के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को कृष्णपिंगल संकष्टी चतुर्थी के नाम से जाना जाता है। हर चतुर्थी तिथि भगवान गणेश को समर्पित होती है, इसलिए इस दिन भी विधि-विधान से बप्पा की पूजा की जाती है। साथ ही व्रत भी रखा जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन भगवान गणेश की आराधना करने से जीवन में व्याप्त सभी संकट दूर होते हैं। यह चतुर्थी कृष्ण पक्ष में पड़ती है, इसलिए इसे कृष्णपिंगल संकष्टी चतुर्थी कहा जाता है।

कृष्णपिंगल संकष्टी चतुर्थी तिथि

पंचांग के अनुसार, इस साल आषाढ़ महीने के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि मंगलवार को पड़ रही है। इस तरह कृष्णपिंगल संकष्टी चतुर्थी 25 जून 2024 को मनाई जाएगी। कृष्णपिंगल संकष्टी चतुर्थी की तिथि 25 जून 2024 को रात 1.23 से प्रारंभ होगी, जो रात 11.10 तक रहेगी। इस दिन भगवान गणेश की पूजा के लिए शुभ समय सुबह 5.30 से 7.08 तक रहेगा। वहीं, शाम में 5.36 से रात 8.36 बजे तक शुभ मुहूर्त रहेगा।

इस तिथि पर भगवान गणेश की विशेष पूजा करने से सभी प्रकार के शारीरिक और मानसिक कष्टों से छुटकारा मिलता है। चतुर्थी तिथि के दिन चंद्र देव की भी पूजा की जाती है। यह महत्वपूर्ण होती है। रात के समय चंद्रमा की पूजा की जाती है और इसके बाद व्रत खोला जाता है। संकष्टी चतुर्थी के दिन चंद्रोदय रात 11.27 पर होगा।

कृष्णपिंगल संकष्टी चतुर्थी पूजा विधि

- कृष्णपिंगल संकष्टी चतुर्थी के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करना चाहिए।
- फिर व्रत का संकल्प करें। सूर्य देव को अर्घ्य दें।
- इसके बाद मंदिर की साफ-सफाई करें।
- फिर एक चौकी पर लाल कपड़ा बिछाकर भगवान गणेश की मूर्ति या चित्र स्थापित करें। भगवान को हल्दी और कुमकुम का तिलक लगाएं।
- चावल और फूल चढ़ाएं। घी का दीपक जलाएं।
- बप्पा को मोदक, मिठाई और फल का भोग लगाएं।
- भगवान गणेश के मंत्रों का जाप करें।

शुक्र ग्रह कमजोर होने पर घट जाती है सुंदरता ऐसे करें मजबूत

शुक्र ग्रह को सुंदरता का कारक माना जाता है। शुक्र यदि कमजोर हो तो सुंदरता घट जाती है। यदि कुछ उपाय किए जाए जो शुक्र ग्रह को कुंडली में मजबूत किया जा सकता है।

ज्योतिष शास्त्र में नव ग्रहों का विशेष स्थान दिया गया है। प्रत्येक ग्रह के अपने अलग-अलग कारक होते हैं। साथ ही ग्रहों का जातकों के जीवन में भी अलग-अलग असर पड़ता है। शुक्र ग्रह का भी ज्योतिष में विशेष महत्व बताया गया है। शुक्र कमजोर हो, तो आंखों में परेशानी होने लगती है। साथ ही मधुमेह की बीमारी हो सकती है। शुक्र ग्रह को महिलाओं के लिए काफी शुभ माना गया है। इस ग्रह को महिलाओं की सुंदरता से जोड़कर देखा जाता है। माना जाता है कि जिस महिला की कुंडली में शुक्र शुभ होता है, वे काफी सुंदर होती हैं। वहीं जब शुक्र कमजोर हो तो इसका शरीर पर नकारात्मक असर भी पड़ सकता है। यहां आपको बताते हैं शुक्र कमजोर होने के क्या संकेत है और इसे कैसे मजबूत किया जा सकता है।

शुक्र कमजोर होने के क्या संकेत हैं

- चेहरे पर मुंहासों का अचानक निकलना शुक्र के कमजोर होने का संकेत माना जाता है।
- चेहरे पर इंफेक्शन भी शुक्र कमजोर होने का संकेत है।

ऐसे मजबूत करें शुक्र ग्रह

- शुक्रवार के दिन सफेद रंग के कपड़े पहनने चाहिए
- सफेद रंग की वस्तुओं का दान करना शुभ होता है
- शुक्र यंत्र को घर में स्थापित करना चाहिए
- सफेद गाय को चारा खिलाने से शुक्र के प्रकोप से मुक्ति मिलती है
- केमिकल वाले परफ्यूम की जगह प्राकृतिक महक वाले इत्र का इस्तेमाल करना चाहिए
- गंदे और फटे-पुराने कपड़े पहनने से शुक्र ग्रह अशुभ फल देता है। ऐसे में इस तरह के कपड़े पहनने से बचना चाहिए।

शनिदेव को नाराज कर सकती हैं अनजाने में हुई ये गलतियां

शनिदेव व्यक्ति के अपराधों की सजा महादशा, ढैया या साढ़ेसाती के दौरान देते हैं। शनिदेव की वक्र दृष्टि से वही जातक बच पाता है जिसने निम्नलिखित 8 में से कोई भी कार्य नहीं किया हो। कहते हैं कि शनिदेव की नाराजगी व्यक्ति को एक झटके में बर्बाद कर देती है। यदि आप भी ये 8 गलतियां कर रहे हैं तो सतर्क हो जाएं।

शनिदेव डालते हैं इन पर अपनी वक्र दृष्टि :

- यदि आप ब्याज का धंधा करते हैं तो एक ना एक दिन आप पर शनिदेव की वक्र या कहें कि तिरछी दृष्टि पड़ेगी और बर्बादी शुरु हो जाएगी।
- यदि आप अपनी पत्नी के अलावा किसी अन्य महिला से संबंध रखते हैं तो निश्चित ही एक दिन शनिदेव की वक्री दृष्टि पड़ेगी और बर्बादी शुरु हो जाएगी।
- यदि आप नियमित शराब पीते हैं और खासकर मंगलवार, गुरुवार, शनिवार, प्रदोष काल, एकादशी, चतुर्थी, अमावस्या, पूर्णिमा के दिन शराब पीते हैं तो बहुत जल्द आप शनिदेव की दृष्टि की चपेट में आएंगे।
- यदि आप किसी गरीब, सफाईकर्मी, दिव्यांग, विधवा, अबला आदि को सताते हैं या उनका अपमान करते हैं तो आप तैयार रहें शनि का दंड भुगतने के लिए।
- यदि आप धर्म, देवता, गुरु, पिता और मंदिर का अपमान करते हैं या किसी भी रूप में उनका मजाक उड़ाते हैं तो दंडनायक के दंड का इंतजार करें बहुत जल्द वे हिसाब किताब पूरा कर देंगे।
- यदि आप जुआ या सट्टा खेलते हैं तो पांडवों की तरह वनवास भुगतने या कौरवों की तरह नाश होने के लिए तैयार रहें। आपके जीवन में घटना और दुर्घटना के योग बढ़ जाएंगे।
- अप्राकृतिक रूप से संभोग करना, लिव इन रिलेशनशिप में रहना, अवैदिक विवाह करना और पत्नी को सताने वाला बहुत जल्द शनि की क्रूर दृष्टि की चपेट में आ जाता है।
- झूठी गवाही देना, निर्दोष लोगों को सताना, किसी के पीठ पीछे उसके खिलाफ कोई कार्य करना, चाचा-चाची, माता-पिता, सेवकों और गुरु का अपमान करना, ईश्वर के खिलाफ होना, दांतों को गंदा रखना, तहखाने की कैद हवा को मुक्त करना, भैंस या भैंसों को मारना, सांप, कुत्ते और कौवों को सताना इन सभी से शनिदेव नराज होकर व्यक्ति के जीवन को खराब कर देते हैं।
- शनिदेव से बचने का इस कलयुग में मात्र एक ही उपाय है हनुमानजी की भक्ति करना।

भगवान विष्णु की यह शर्त पूरी नहीं कर पाई थीं देवी लक्ष्मी, धारण करना पड़ा था गरीब स्त्री का रूप

भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी से जुड़ी एक पौराणिक आज भी प्रचलित है, जिसके मुताबिक माता लक्ष्मी और भगवान विष्णु धरती पर भ्रमण के लिए निकले थे। देवी लक्ष्मी के कारण भगवान विष्णु की आंखों से अश्रु बहने लगे थे। इसके कारण देवी मां को सजा भी भुगतनी पड़ी थी।

गुरुवार का दिन भगवान विष्णु को समर्पित होता है। इस दिन भगवान विष्णु की विशेष पूजा की जाती है। साथ ही उनके निमित्त व्रत भी रखा जाता है और गुरुवार व्रत कथा का पाठ भी किया जाता है। भगवान विष्णु को पीला रंग प्रिय है। ऐसे में इस दिन पीले वस्त्र पहनने चाहिए। साथ ही भगवान को पीले रंग की मिठाइयों का भोग भी लगाना चाहिए। भगवान विष्णु और देवी लक्ष्मी से जुड़ी कई पौराणिक कथाएं प्रचलित है। कहा जाता है कि एक बार देवी लक्ष्मी के शर्त न मानने के कारण भगवान विष्णु की आंखों से अश्रु बहने लगे थे।

भगवान विष्णु ने रखी थी शर्त

पौराणिक कथा के अनुसार, एक बार श्रीहरि पृथ्वी भ्रमण पर निकले थे। तब देवी लक्ष्मी ने उनसे कहा कि वह भी उनके साथ जाना चाहती हैं। तब विष्णु जी ने कहा कि वे केवल एक शर्त पर ही उनके साथ जा सकती हैं। जब लक्ष्मी जी ने शर्त पूछी तो विष्णु जी ने कहा कि पृथ्वी पर चाहे कैसी भी परिस्थिति आए, उन्हें उत्तर दिशा की ओर नहीं देखना है। लक्ष्मी जी ने शर्त स्वीकार कर ली और श्रीहरि के साथ चली गईं।

दोनों धरती पर घूम रहे थे, देवी की नजर उत्तर दिशा में पड़ी। वहां इतनी हरियाली थी कि देवी लक्ष्मी बगीचे की ओर चल पड़ीं। उन्होंने वहां से एक फूल तोड़ा और विष्णु जी के पास आ गईं। लक्ष्मी जी को देखते ही विष्णु जी रोने लगे। तब मां लक्ष्मी को विष्णु जी की शर्त याद आई। श्रीहरि ने कहा कि बिना किसी से पूछे किसी भी वस्तु को छूना अपराध माना जाता है। यह सुनकर देवी लक्ष्मी ने अपनी गलती का अहसास किया। उन्होंने माफी मांगी। श्री हरि ने कहा कि केवल बगीचे का माली ही उन्हें माफ कर सकता है। लक्ष्मी जी को माली के घर दासी बनकर रहना होगा। यह सुनकर लक्ष्मी जी तुरंत एक गरीब स्त्री का रूप धारण करके माली के घर चली गईं। देवी लक्ष्मी ने दिया माली को आशीर्वाद

माली ने देवी लक्ष्मी से कई तरह के काम करवाए। जब माली को पता चला कि वह मां लक्ष्मी हैं, तो वह रोने लगा। उसने देवी लक्ष्मी से कहा कि जो कुछ भी उसने किया, उसके लिए उसे माफ कर दें। तब लक्ष्मी जी ने मुस्कुराते हुए कहा कि जो कुछ हुआ वह भाग्य था। इसमें किसी का दोष नहीं है। लेकिन माली ने लक्ष्मी जी को अपने परिवार का सदस्य माना, इसलिए उन्होंने जीवनभर के लिए उसे सुख-समृद्धि का आशीर्वाद दिया। जिसके बाद वे विष्णु लोक लौट आईं।

संक्षिप्त समाचार

तुर्किये में आग से 11 लोगों की मौत

अंकारा, एजेंसी। फसल की पराली में लगी आग रातों-रात दक्षिणपूर्वी तुर्किये की बस्तियों में फैल गई, जिससे 11 लोगों की मौत हो गई और दर्जनों लोग घायल हो गई। 44 लोगों का अस्पतालों में इलाज किया गया, जिनमें 10 की हालत गंभीर है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, आग दियारबाकिर और मार्डिन प्रांतों के बीच एक क्षेत्र में लगी। दियारबाकिर के गवर्नर अली इहसान सु ने कहा, हवाओं के कारण आग तेजी से फैली और उसने कोकसलान, याजसिसेगी और बागासिक गांवों की बस्तियों को अपनी चपेट में ले लिया। आग पर शुक्रवार तड़के काबू पा लिया गया। स्वास्थ्य मंत्री फहार्टिन कोका ने सोशल मीडिया पर लिखा कि अधिकारियों ने आग के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

अमेरिका में सुपर मार्केट में गोलीबारी, दो लोगों की गई जान

न्यूयार्क , एजेंसी। अमेरिका में सुपर मार्केट में गोलीबारी का मामला अभी थमता नहीं दिख रहा है। ताजा मामला अर्कांसस राज्य का है। यहां के फोर्डिस शहर स्थित एक किराना स्टोर में गोलीबारी में दो लोगों की जान चली गई। आरोपी हमलावर समेत सात लोग घायल हैं। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। रॉयटर, वाशिंगटन। अमेरिका में एक सुपर मार्केट में हुई गोलीबारी में दो लोगों की जान चली गई। वहीं कानून प्रवर्तन अधिकारी समेत सात अन्य लोग घायल हैं। घटना शुक्रवार को अर्कांसस राज्य के फोर्डिस शहर स्थित मैड बुचर किराना स्टोर में हुई। अर्कांसस राज्य पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस के मुताबिक कानून प्रवर्तन अधिकारी की गोली से हमलावर गंभीर रूप से घायल हो गया है। उसे हिरासत में ले लिया गया है। डलास काउंटी के शेरिफ माइक नोएडल ने कहा कि घटना को नियंत्रित कर लिया गया है। राज्य पुलिस के हवाला से जानकारी दी है कि घायल कानून प्रवर्तन अधिकारी अब खतरे से बाहर हैं। गवर्नर सारा हुकाबी सैंडर्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि उन्हें घटना के बारे में जानकारी दी गई है। मैं लोगों के जीवन बचाने के लिए कानून प्रवर्तन और प्रथम प्रतिक्रियाकर्ताओं की त्वरित और वीरतापूर्ण कार्रवाई के लिए आभारी हूं। मेरी प्रार्थनाएं पीड़ितों और इस भयावह घटना से प्रभावित सभी लोगों के साथ हैं। बता दें कि फोर्डिस शहर लिटिल रॉक से लगभग 112 किमी दक्षिण में है। यहां 3,200 लोगों की आबादी है।

चीन की चाल पर लगेगी लगाम! अमेरिकी विमानपोत सैन्य अभ्यास के लिए दक्षिण कोरिया पहुंचा

सियोल , एजेंसी। अमेरिकी विमानपोत सैन्य अभ्यास के लिए दक्षिण कोरिया पहुंच गया है। दक्षिण कोरिया की नौसेना ने इसकी जानकारी दी है। बताया जा रहा है, परमाणु ऊर्जा से चलने वाला अमेरिकी विमानवाहक पोत, थियोडोर रूजवेल्ट इस महीने जापान के साथ संयुक्त सैन्य अभ्यास के लिए आज दक्षिण कोरिया के बंदरगाह शहर बुसान पहुंचा। तीनों देशों के नेताओं ने अगस्त 2023 में कैंप डेविड शिखर सम्मेलन में वार्षिक सैन्य ट्रेनिंग अभ्यास आयोजित करने पर सहमति व्यक्त की थी। उन्होंने दक्षिण चीन सागर के विवादित जलमार्ग में चीन के खतरनाक और आक्रामक व्यवहार की निंदा की थी। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने इस हफ्ते 24 सालों में पहली बार उत्तर कोरिया का दौरा किया और नेता किम जोंग उन के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए जिसमें पारस्परिक रक्षा प्रतिज्ञा भी शामिल थी।

बता दें कि यह सालों से एशिया में रूस के सबसे महत्वपूर्ण कदमों में से एक था, जिसे किम ने गठबंधन के समान बताया। यह यात्रा उत्तर के परमाणु और मिसाइल कार्यक्रमों के खिलाफ विस्तारित प्रतिरोध के प्रदर्शन में एक अन्य अमेरिकी विमानवाहक पोत, कार्ल विंसन के 7 महीने बाद हो रही है। 7 महीने पहले ये विमान भी दक्षिण कोरिया भेजा गया था। वहीं बता दें कि सीरिया के होम्स प्रांत में बड़ा हादसा होने वाला था।

इंडस-एक्स पहल की पहली वर्षगांठ पर बोला पेंटागन- भारत-अमेरिका के बीच बढ़ रही सैन्य साझेदारी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने साझेदारी की पहली वर्षगांठ पर कहा कि भारत-अमेरिका रक्षा त्वरण पारिस्थितिकी तंत्र (इंडस-एक्स) रक्षा नवाचार में द्विपक्षीय रिश्तों का विस्तार करने में सबसे आगे रहा है। इंडस-एक्स ने महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकी पहल के तहत रक्षा नवाचार के निर्माण के लिए दोनों रणनीतिक साझेदारों की प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाया है।

पिछले साल पीएम मोदी आए थे अमेरिका की यात्रा पर: इंडस-एक्स भारत और अमेरिका के बीच रणनीतिक और रक्षा साझेदारी को बढ़ाने के लिए प्रस्तावित एक रक्षा पहल है। यह पहल इनिशिएटिव ऑन क्रिटिकल एंड इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज के तहत आती है।भारत और अमेरिका के बीच रणनीतिक और रक्षा साझेदारी बढ़ाने के लिए इंडस-एक्स को पिछले साल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वाशिंगटन की राजकीय यात्रा के दौरान अमेरिकी रक्षा विभाग और भारतीय रक्षा मंत्रालय द्वारा लॉन्च किया गया था।

रणनीतिक संबंध तेजी से बढ़े: पिछले कुछ वर्षों से भारत-अमेरिका के बीच रक्षा और रणनीतिक संबंध तेजी से बढ़े हैं और दोनों देशों में कई प्रमुख सुरक्षा व रक्षा समझौते किए हैं। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि जून 2023 में अमेरिका की राजकीय यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच रक्षा नवाचार को बढ़ावा देने के लिए भारत-अमेरिकी डिफेंस एक्सीलरेशन ईकोसिस्टम (इंडस-एक्स) को शुरू किया गया था। रक्षा विभाग के अधिकारी ने शुक्रवार को कहा, अपने पहले वर्ष में, इंडस-एक्स ने महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकी (आईसीईटी) पहल के तहत रक्षा नवाचार के निर्माण के लिए दोनों देशों की प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाया है। उन्होंने आगे कहा, इंडस-एक्स ने रक्षा प्रौद्योगिकी कंपनियों, निवेशकों और शोधकर्ताओं के बीच साझेदारी को सुविधाजनक बनाकर अमेरिका और भारत के बीच निजी क्षेत्र के सहयोग को मजबूत किया है।

सितंबर में होगा तीसरा सम्मेलन: व्हाइट हाउस की हालिया घोषणा का हवाला देते हुए एक अधिकारी ने कहा कि तीसरा इंडस-एक्स शिखर सम्मेलन सितंबर 2024 में सिलिकॉन वैली में होगा, जिसमें रक्षा नवाचार के लिए निजी पूंजी का इस्तेमाल करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। शिखर सम्मेलन की सह-मेजबानी यूएस-इंडिया स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप फोरम और स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी द्वारा की जाएगी।

कुछ वर्षों में कई सुरक्षा समझौते: दोनों देशों ने पिछले कुछ वर्षों में कई रक्षा और सुरक्षा समझौते किए हैं, जिसमें 2016 में लॉजिस्टिक्स एक्सचेंज मेमोरेंडम ऑफ एग्रीमेंट (एलईएमओए) भी शामिल है, जो उनकी सेनाओं को मरम्मत और आपूर्ति की पुनःपूर्ति के लिए एक-दूसरे के अड्डों का उपयोग करने की अनुमति देता है। दोनों पक्षों ने 2018 में कॉमकासा (संचार संगतता और सुरक्षा समझौता) पर भी हस्ताक्षर किए, जो दोनों सेनाओं के बीच अंतर-क्षमता प्रदान करता है और अमेरिका से भारत को उच्च-स्तरीय प्रौद्योगिकी की बिक्री का भी प्रावधान करता है। अक्तूबर 2020 में भारत और अमेरिका ने द्विपक्षीय रक्षा संबंधों को और बढ़ावा देने के लिये (बेसिक एक्सचेंज एंड कोऑपरेशन एग्रीमेंट समझौते पर मुहर लगाई। यह समझौता दोनों देशों के बीच उच्च स्तरीय सैन्य तकनीक, रसद और भू-स्थानिक मानचित्रों को साझा करने का प्रावधान करता है।

इंडस-एक्स क्या है?: इंडस-एक्स भारत और अमेरिका के बीच रणनीतिक और रक्षा साझेदारी को बढ़ाने के लिए प्रस्तावित एक रक्षा पहल है। यह पहल इनिशिएटिव ऑन क्रिटिकल एंड इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज) के तहत आती है। जानकारी के मुताबिक, इंडस-एक्स के शुभारंभ के संबंध में प्रारंभिक चर्चा जून 2021 में हुई थी।

यूएस इंडिया बिजनेस काउंसिल (यूएसआईबीसी), अमेरिकी रक्षा विभाग और भारत के रक्षा मंत्रालय के साथ साझेदारी में यूएस चैंबर ऑफ कॉमर्स में 20-21 जून को पहले इंडस-एक्स सम्मेलन की मेजबानी करेगा। यह जानकारी यूएसआईबीसी के अध्यक्ष अतुल केशप ने मंलवार को दी। बता दें कि यह यूएस-इंडिया बिजनेस काउंसिल की ही एक पहल थी, जिसका फोकस अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी सहयोग को आगे बढ़ाने पर है।

इंडस-एक्स के उद्देश्य क्या हैं?: इंडस-एक्स का उद्देश्य अमेरिका और भारतीय रक्षा नवाचार क्षेत्रों के बीच साझेदारी को गहरा करना है। इंडस-एक्स हाई-टेक सहयोग को आगे बढ़ाने और रक्षा क्षेत्र में संयुक्त अनुसंधान, विकास और उत्पादन के अवसरों को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करेगा। पहल का उद्देश्य सह-उत्पादन जेट इंजन, लंबी दूरी की तोपखाने और पैदल सेना के वाहनों के लिए संभावनाओं का पता लगाना है।

अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने एक बयान में कहा था, हम न केवल प्रौद्योगिकी साझा कर रहे हैं, बल्कि हम एक दूसरे के साथ पहले से कहीं अधिक सहयोग भी कर रहे हैं। इसके महत्व पर अमेरिकी रक्षा विभाग ने एक बयान में कहा, इस पहल का उद्देश्य अमेरिका और भारतीय रक्षा क्षेत्रों के बीच सहयोग के परिप्रेक्ष्य को बदलना है।

ताजिकिस्तान में हिजाब और बुर्का पहनने पर लगा बैन

संसद ने पारित किया विवादित कानून

दुशानबे, एजेंसी। मध्य एशिया का मुस्लिम बहुल देश ताजिकिस्तान की संसद ने हिजाब और बुर्का जैसे इस्लामिक पहनावे पर प्रतिबंध लगाने का विवादित कानून पारित कर दिया है। अब वहां की सरकार इस कानून को लागू करने जा रही है। इससे वहां खलबली मचने की आशंका है। सोवियत संघ से अलग हुआ ताजिकिस्तान मुस्लिम बहुल आबादी वाला देश है और इसकी सीमा तालिबान शासित अफगानिस्तान से मिलती है। ऐसे में इस बात की आशंका ज्यादा है कि वहां हिजाब और बुर्का पहनने पर पाबंदी लगाए जाने से विवाद बढ़ सकता है क्योंकि पड़ोसी अफगानिस्तान में बुर्का पहनना अनिवार्य है। ताजिकिस्तानी संसद के ऊपरी सदन मजलिसी मिल्ली ने 19 जून को ये विधेयक पारित किया है, जिसमें ईद-उल-फितर और ईद-उल-अज़हा के दौरान बच्चों के विदेशी परिधान पर प्रतिबंध लगाने का प्रावधान है। संसद के निचले सदन, मजलिसी नमोयंदगोन ने 8 मई को ही इस विधेयक को पारित कर दिया था और बुर्का और हिजाब जैसे विदेशी परिधानों को पहनने पर रोक लगाने की सिफारिश कर दी थी। इस विधेयक पर बहस के दौरान ताजिकिस्तान संसद ने कहा कि बुर्का, जो महिलाओं के चेहरे को ढकता है, ताजिक परंपरा या संस्कृति का हिस्सा नहीं है, इसलिए ऐसे विदेशी परिधान को उनके देश में प्रतिबंधित किया जाता है। राष्ट्रपति रुस्तम इमोमाली की अध्यक्षता में संसद के 18वें सत्र में सांस्कृतिक प्रथाओं, बच्चों के पालन-पोषण में शिक्षक की भूमिका और माता-पिता के कर्तव्यों से संबंधित कानूनों में भी बदलाव किया गया है। नए नियमों का उल्लंघन करने पर लोगों पर भारी भरकम जुर्माना लगाने का भी प्रावधान किया गया है। विधेयक के प्रावधान के मुताबिक व्यक्तियों पर 7,920 सोमोनी तक का जुर्माना लगाया जा सकता है, जबकि कंपनियों पर 39,500 सोमोनी तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। अधिकारियों और धार्मिक नेताओं पर इससे भी ज़्यादा जुर्माना लगाने की बात कही गई है, जो संभावित रूप से क्रमशः 54,000 और 57,600 सोमोनी हो सकता है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ताजिकिस्तान में शादी और अंत्येष्टि भोज पर भी प्रतिबंध है। इसके अलावा दाढ़ी रखने पर भी प्रतिबंध है। यानी पुरुषों को दाढ़ी कटवाना जरूरी है। अगर कोई दाढ़ी रखते हुए देखा गया तो उस पर सख्त ऐक्शन लिया जाता है। यहां इस्लामिक किताबों की बिक्री पर भी प्रतिबंध लगा हुआ है।

देश में छिड़ी बहस: इस पूरे मामले पर देश में बड़ी बहस छिड़ गई है। विशेषज्ञ अलग-अलग राय दे रहे हैं। सांसदों ने नया कानून तोड़ने पर 7,920 सोमोनी (स्थानीय मुद्रा) यानी 62,172 भारतीय रुपये से लेकर कानूनी संस्थाओं के लिए 39,500 सोमोनी (3.10 लाख रु.) तक का जुर्माना लगाया है। इसके अलावा, सरकारी अधिकारियों और धार्मिक अधिकारियों पर दोष सिद्ध होने पर 54,000 सोमोनी (4.24 लाख रु.) से लेकर 57,600 सोमोनी (4.52 लाख रु.) तक का जुर्माना लगाने का नियम बनाया गया है।

राफा में शरणार्थी कैंप पर इस्राइल का हमला; 25 लोगों की मौत, 50 घायल

तेल अवीव, एजेंसी। गाजा के दक्षिणी शहर राफा के उत्तर में शुक्रवार को इस्राइली बलों ने शुक्रवार को विस्थापित फलस्तीनियों के लिए तम्बू शिविरों पर गोलाबारी की, जिसमें करीब 25 लोग मारे गए और 50 अन्य घायल हो गए। वहीं, अल-अहली अस्पताल के आर्थोपेडिक प्रमुख फादेल नईम ने कहा कि यहां 30 लोगों के शव लाए गए थे, उन्होंने इस दिन को गाजा शहर के लिए क्रूर दिन बताया।

इस्राइल और हमास के बीच लड़ाई में एक महीने से भी कम समय में यह बमबारी हुई, जिससे विस्थापित फलीस्तीनियों के शिविरों में आग लग गई।

राफा में नागरिक सुरक्षा के प्रवक्ता अहमद राडवान के अनुसार, प्रत्यक्षदर्शियों ने तटीय क्षेत्र में दो जगहों पर बमबारी के बारे में बचावकर्मियों को जानकारी दी। जिसके बाद गाजा में स्वास्थ्य मंत्रालय ने इस्राइली हमलों में मारे गए लोगों और घायलों की संख्या के बारे में जानकारी दी। वहीं, इस्राइली सेना का कहना है कि इस बात का कोई संकेत नहीं है कि सुरक्षित क्षेत्र के अंदर आईडीएफ द्वारा हमला किया गया था। जानकारी के अनुसार, इस्राइल

ने मुवासी के आसपास बमबारी की है। यहां विस्थापित फलीस्तीनियों ने हाल ही में तम्बू शिविर बनाए थे। मृतकों के रिश्तेदारों ने बताया कि इस्राइली बलों ने दूसरी बार गोलाबारी की है।

मोना एशौर के अनुसार, हमला एक गोला-बारूद से शुरू हुआ, जिसमें केवल एक जोरदार धमाका और चमकीली चमक थी। इस हमले में मोना ने अपने पति को खो दिया। वहीं, इस्राइल का कहना है कि वह हमास के लड़ाकों और बुनियादी ढांचे को निशाना बना रहा है। नागरिकों की मौत के लिए इस्राइल ने आतंकवादियों को जिम्मेदार ठहराया है। इस्राइल का कहना है कि आतंकवादी आबादी के बीच काम कर रहे हैं, इसलिए हमले में नागरिकों की भी मौत हो रही है। इस्राइली सेना का कहना है कि मध्य गाजा में लड़ाई के दौरान दो सैनिकों की भी मौत हुई है। दोनों की उम्र करीब 20 वर्ष के आसपास थी। वहीं, तीन इस्राइली सैनिक गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

अंतरिक्ष में फंसी सुनीता विलियम्स, फिलहाल वापस नहीं आएगा बोइंग स्टारलाइनर

वॉशिंगटन, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन (आईएसएस) पर मौजूद नासा की भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और क्रू के आठ अन्य सदस्यों के लिए एक बार फिर एक बड़ी मुश्किल खड़ी हो गई है। नासा ने शुक्रवार को जानकारी दी कि अंतरिक्ष यात्रियों के पहले दल को ले जाने वाले बोइंग स्टारलाइनर की वापसी को फिलहाल टाल दिया गया है। यहां तक कि नासा ने वापसी की कोई नई तारीख भी नहीं बताई है। अंतरिक्ष यात्रियों की वापसी को लेकर अब कई सवाल खड़े हो रहे हैं। लोग जानना चाह रहे हैं कि मिशन के दो अंतरिक्ष यात्री कब लौटेंगे। टेस्टिंग और तकनीकी मुद्दों के कारण पहले से ही देरी हुई है। बता दें, अंतरिक्ष यान की वापसी पहले 26 जून को निर्धारित की गई थी। अमेरिकी अंतरिक्ष यात्रियों बुच विल्मोर और सुनीता विलियम्स ने पांच जून को उड़ान भरी थी। 2019 के बाद से इसे दो बार बिना इंसान के अंतरिक्ष में भेजा गया है। इसके थ्रस्टर्स को पांच विफलताओं और पांच हीलियम रिसाव का सामना करना पड़ा है। नासा और बोइंग को खराबी का सामना करना पड़ा और अतिरिक्त परीक्षण करने पड़े, जिससे यह सवाल उठता है कि वास्तव में स्टारलाइनर अपने चालक दल को कब तक वापस ला सकेगा। इसके आलावा इस अंतरिक्ष यान की कई समस्याएं सामने आई हैं। गौरतलब है, कंपनी ने इस प्रोजेक्ट के लिए 4.5 अरब डॉलर के नासा डेवलपमेंट कॉन्ट्रैक्ट के अलावा लागत में वृद्धि पर 1.5 अरब डॉलर खर्च किए हैं। नासा चाहता है कि स्टारलाइनर दूसरा अमेरिकी अंतरिक्ष यान बने जो स्पेसएक्स के क्रू ड्रैगन के साथ अंतरिक्ष यात्रियों को इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन तक ले जा सके। बोइंग का स्टारलाइनर कार्यक्रम वर्षों से सॉफ्टवेयर गड़बड़ियों, डिजाइन समस्याओं और उपठेकेदारों के विवाद से जूझ रहा है।

हिंदुजा परिवार ने सजा के खिलाफ दायर की अपील, बोले- अदालत के फैसले से हैरान हैं

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के सबसे धनी हिंदुजा परिवार ने शुक्रवार को कहा कि वे परिवार के कुछ सदस्यों के खिलाफ जिनेवा की अदालत के फैसले से हैरान हैं। हिंदुजा परिवार ने घरेलू कामगारों का शोषण करने का दोषी ठहराए जाने वाले अदालत के फैसले को चुनौती देते हुए उच्च न्यायालय में अपील दायर की है। परिवार के वकीलों ने बताया है कि हिंदुजा परिवार के किसी सदस्य को हिरासत में नहीं लिया गया है। हिंदुजा परिवार की ओर से जारी बयान में उनके वकीलों ने जोर देकर कहा कि उनके मुवक्किल प्रकाश और कमल हिंदुजा, और उनके बेटे अजय और उनकी पत्नी नम्रता को सभी मानव तस्करी के आरोपों से बरी कर दिया गया है। उन्होंने मीडिया की उन खबरों को भी खारिज कर दिया कि जिनेवा की अदालत के फैसले के बाद परिवार के किसी भी सदस्य को हिरासत में लिया जा सकता है। अदालत ने परिवार को चारों सदस्यों को चार से साढ़े चार साल जेल की सजा सुनाई है। वकील येल हयात और रॉबर्ट असैल और रोमन जॉर्डन द्वारा हस्ताक्षरित बयान में कहा गया है कि हमारे मुवक्किलों को सभी मानव तस्करी के आरोपों से बरी कर दिया गया है।

पूर्व प्रधानमंत्री ने बनाई नई पार्टी, पीएमएल-एन से अलग हुए अब्बासी बने आवाम पाकिस्तान के प्रमुख

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में अगस्त 2017 से मई 2018 तक प्रधानमंत्री रहे पीएमएल-एन के पूर्व नेता शाहिद खाकान अब्बासी ने देश में नई राजनीतिक पार्टी बना ली है। जानकारी के मुताबिक देश की सत्ताधारी दल से मतभेद के बाद नेता शाहिद खाकान अब्बासी ने आवाम पाकिस्तान नाम से अपनी अलग पार्टी बनाई है। पूर्व पाकिस्तानी प्रधानमंत्री के साथ देश के पूर्व वित्त मंत्री मिफ्ताह इस्माइल भी उनकी पार्टी में शामिल हुए हैं। मिफ्ताह इस्माइल भी देश की सत्ताधारी दल पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज से अलग हो चुके हैं.

6 या 7 जुलाई को होगी औपचारिक शुरुआत: समाचार पत्रों के अनुसार नई राजनीतिक पार्टी जुलाई महीने की 6 या 7 तारीख को औपचारिक तौर पर शुभारंभ होगा। जबकि राजनीतिक दल का नारा है,

हम बदलेंगे व्यवस्था। नई पार्टी आवाम पाकिस्तान के आधिकारिक सोशल मीडिया साइट एक्स (पहले ट्विटर) हैंडल पर शेयर किए गए एक वीडियो में निराश नागरिक, महंगाई, ऊर्जा की कमी, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और शैक्षिक असमानताओं जैसे राष्ट्रीय मुद्दों पर बात की गई है।

पार्टी के आयोजक समिति के प्रमुख बने अब्बासी: वहीं पूर्व प्रधानमंत्री को पार्टी की आयोजक समिति का प्रमुख नियुक्त किया गया है, जबकि मिफ्ताह इस्माइल को उनका डिप्टी नामित किया गया है। इस आयोजक समिति में खैबर-पख्तूनख्वा के पूर्व गवर्नर और पीएमएल-एन नेता सरदार मेहताब अब्बासी, पूर्व पीएमएल-एन सीनेटर जावेद अब्बासी और मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट के पूर्व विधायक शेख सलाहुद्दीन भी शामिल हैं। पार्टी के संस्थापक सदस्यों में फैसलाबाद से पूर्व पीएमएल-एन विधायक राणा जाहिद तौसीफ, पूर्व पीटीआई स्वास्थ्य मंत्री जफर मिर्जा, पूर्व पीएमएल-एन प्रांतीय विधायक जैयम कादरी, हजारा क्षेत्र की कार्यकर्ता फातिमा आतिफ, सिंधी राष्ट्रवादी नेता अनवर सूमरो, कानूनी विशेषज्ञ मोइज जाफरी और शिक्षाविद् तारिक बनुरी शामिल हैं।

अगस्त 2017 से मई 2018 तक प्रधानमंत्री थे अब्बासी

पाकिस्तान में पीएमएल-एन प्रमुख नवाज शरीफ को सुप्रीम कोर्ट से अयोग्य घोषित किए जाने तक शाहिद खाकान अब्बासी प्रधानमंत्री पद पर थे। शाहिद खाकान अब्बासी के जीवन की बात करें, तो वो रावलपिंडी के मुर्री इलाके से ताल्लुक रखते हैं, जो एक प्रसिद्ध पहाड़ी रिसॉर्ट है। जहां चिलचिलाती गर्मी से राहत पाने के लिए और सर्दियों में बर्फबारी का आनंद लेने के लिए पर्यटक आते हैं। वे एक व्यवसायी हैं, जिनके परिवार के पास देश की एयरब्लू एयरलाइन है। साल 1988 में पहली बार नेशनल असेंबली के सदस्य चुने जाने के साथ ही उनके राजनीतिक सफर की शुरुआत हुई थी। अब्बासी पीएमएल-एन के टिकट पर कम से कम छह बार चुने गए और उन्हें नवाज शरीफ का करीबी माना जाता था और उन्होंने संघीय मंत्री के रूप में भी काम किया। पूर्व प्रधानमंत्री शाहिद खाकान अब्बासी और मिफ्ताह इस्माइल ने नीतिगत असहमति के कारण पीएमएल-एन का दामन छोड़ दिया और 2023 में एक नई पार्टी का खाका तैयार करने के लिए रीइमेजिनिंग पाकिस्तान के बैनर तले देश भर में चर्चा शुरू की थी। इस दौरान दोनों नेता कई चर्चाओं और सेमिनारों में इस बात पर जोर देते रहे हैं कि देश में केवल एक नई राजनीतिक पार्टी ही, वर्तमान की व्यवस्था को बदलने की इच्छाशक्ति के साथ, नकदी की कमी से जूझ रहे देश को संकट से बाहर निकाल सकती है।

कोलोराडो के स्टेट पार्क में गोलीबारी में दो लोगों की मौत

लॉस एंजिल्स , एजेंसी। अमेरिका के कोलोराडो राज्य के एक पार्क में गोलीबारी में दो लोगों की जान चली गई। कोलोराडो के अधिकारियों ने ये जानकारी दी है। कोलोराडो पार्क एंड वाइल्डलाइफ ने बताया कि यह घटना पुएब्लो काउंटी में लेक पुएब्लो स्टेट पार्क के सेलबोर्ड बीच क्षेत्र में आधी रात के बाद हुई। कुछ लोग मछली पकड़ रहे थे, उसी दौरान गोलीबारी हुई। कोलोराडो पार्क्स एंड वाइल्डलाइफ़ को स्थानीय समयानुसार शुक्रवार सुबह फोन पर मदद के लिए कॉल आई, जिसके बाद पुलिस वहां पहुंची। सिन्हुआ न्यूज़ एजेंसी के अनुसार पुलिस अधिकारियों को दो लोग मृत मिले। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि गोली चलाने वाला शख्स घटनास्थल से भाग गया। पुएब्लो काउंटी की पुलिस ने शवों को अपने कब्जे में ले लिया और मौत का कारण जानने के लिए शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। लेक पुएब्लो के पार्क मैनेजर जो स्टैडटरमैन ने कहा, हमारा मानना है कि इस समय पार्क में आए लोगों के लिए अब कोई खतरा नहीं है। उन्होंने कहा कि अभी तक किसी भी संदिग्ध को हिरासत में नहीं लिया गया है। अधिकारियों ने कहा कि पार्क, इसका कंपाउंड खुला रहेगा, लेकिन चल रही जांच के कारण सेलबोर्ड बीच और इसके आसपास का क्षेत्र अनिश्चित काल तक बंद रहेगा।

खबर-खास

OPPO ने 17,999 रुपये में A3 Pro पेश किया, जो ड्यूरेबिलिटी और क्वालिटी के नए मानक स्थापित कर रहा है

नईदिल्ली। OPPO इंडिया ने OPPO A3 Pro के लॉन्च की घोषणा की है, जो प्रीमियम डिज़ाइन के साथ ऑल-राउंड एंड्योरेंस के लिए तैयार किया गया है। इस नए ए-सीरीज़ स्मार्टफोन में ड्रॉप एवं इंपैक्ट रज़िस्टैंस के लिए डैमेजप्रूफ ऑल-राउंड आर्मर बॉडी, पानी एवं धूल के रज़िस्टैंस के लिए आईपी54 सर्टिफिकेशन, और गीले हाथों से उपयोग के लिए स्प्लैश टच टेक्नोलॉजी है। इसमें 120हट्‌र्ज़ अल्ट्रा ब्राईट डिस्प्ले, एआई लिंकबूस्ट, एआई इरेज़र, और 5100 एमएएच की शक्तिशाली आईपर एनर्जी बैटरी लगी है, जो 45 वॉट के सुपरवूक फ्लैश चार्ज और चार साल से ज्यादा लंबी उम्र के साथ आती है। अत्यधिक विश्वसनीयता और ड्यूरेबिलिटी OPPO A3 Pro की डैमेजप्रूफ ऑल-राउंड आर्मर बॉडी में मजबूत आंतरिक संरचना और अनेक ड्रॉप रज़िस्टैंट सामग्री, जैसे स्क्रीन कवर के लिए ब्लू ग्लास डबल टैंपर्ड ग्लास है, जो फोन को रोजमर्रा के धक्कों और टूट-टूट से सुरक्षा प्रदान करता है। फोन के आंतरिक पुर्जों को धक्कों से सुरक्षा प्रदान करने के लिए उनके चारों ओर बायोमिमेटिक स्पंज का गद्दा बनाया गया है।

स्प्राइट एग्रो लिमिटेड का रु. 44.87 करोड़ का राइट्स इश्यू 24 जून से खुलेगा

अहमदाबाद - कृषि, कॉन्टैक्ट फार्मिंग, ग्रीनहाउस टेक्नोलॉजी सहित अन्य व्यवसायों में लगी अहमदाबाद स्थित स्प्राइट एग्रो लिमिटेड (बीएसई - 531205) का रु. 44.87 करोड़ का राइट्स इश्यू 24 जून, 2024 को सब्स्क्रीप्शन के लिए खुलेगा। इश्यू के माध्यम से जुटाई गई धनराशि का उपयोग कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों सहित कंपनी की विस्तार योजनाएं के लिए किया जाएगा। कंपनी का राइट इश्यू 19 जून, 2024 को रु. 45.69 प्रति शेयर के बंद भाव की तुलना में रु. 13.4 प्रति शेयर की कीमत पर पेश किया गया है। राइट्स इश्यू 12 जुलाई, 2024 को बंद हो जाएगा। कंपनी रु. 1 के अंकित मूल्य के 3,34,84,611 पूरी तरह से भुगतान किए गए इक्विटी शेयर रु. 13.4 प्रति इक्विटी शेयर (रु. 12.4 प्रति इक्विटी शेयर के प्रीमियम सहित) की कीमत पर नकद में जारी करेगी, जिसका कुल मूल्य रु. 44.87 करोड़ होगा। प्रस्तावित इश्यू के लिए राइट्स एंटाइटेलमेंट अनुपात 1:15 पर तय किया गया है (रिकॉर्ड तिथि 7 जून, 2024 को इक्विटी शेयरधारकों द्वारा रखे गए प्रत्येक 15 पूर्ण भुगतान वाले इक्विटी शेयरों के लिए रु. 1 के अंकित मूल्य का 1 राइट्स इक्विटी शेयर)। ऑन-मार्केट अधिकार अधिकारों के त्याग की अंतिम तिथि 8 जुलाई, 2024 है। रु. 44.87 करोड़ की इश्यू से मिलने वाली आय में से, कंपनी रु. 34.15 करोड़ कार्यशील पूंजी आवश्यकता के लिए और रु. 10.32 करोड़ सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए उपयोग करने का इरादा रखती है। 1994 में स्थापित, स्प्राइट एग्रो लिमिटेड, जिसे पहले टाइन एग्रो लिमिटेड के नाम से जाना जाता था, कृषि और वानिकी कार्यों का विकास करती है।

आर्मी इंफोटेक लिमिटेड ने आईपीओ के जरिए 250 करोड़ जुटाने के लिए सेबी के पास दाखिल किया डीआरएचपी

आर्मी इंफोटेक लिमिटेड (कंपनी या एआईएल) ने बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। कंपनी इक्विटी शेयरों (अंकित मूल्य 10 प्रत्येक) के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम के जरिए कुल निर्गम आकार के बराबर धनराशि जुटाने की योजना बना रही है, जिसमें 25,000 लाख [250 करोड़] तक के इक्विटी शेयरों का नया निर्गम शामिल है (कुल निर्गम आकार)। कंपनी सेक्टर एग्नस्टिक है और सरकारी/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) और निजी क्षेत्र दोनों के लिए विभिन्न प्रकार की परियोजनाओं के लिए आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर समाधान और आईटी प्रबंधित सेवा प्रदान करती है। इसमें सरकारी/पीएसयू परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित किया जाता है और गुजरात राज्य में इसकी प्रमुख उपस्थिति है। कंपनी इस निर्गम से प्राप्त शुद्ध आय का उपयोग निम्नलिखित के लिए करने का प्रस्ताव करती है--
(i) कंपनी की कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं में वृद्धि, जिसका अनुमान 16000 लाख [160 करोड़] तक है, वित्तीय वर्ष 2025 और वित्तीय वर्ष 2026 में विभिन्न परियोजनाओं के लिए बोली लगाने हेतु बयाना राशि जमा करना और बैंक गारंटी के लिए मार्जिन जमा करना; (ii) कंपनी द्वारा लिए गए कुछ बकाया उधारों का पूर्व भुगतान या पुनर्भुगतान, जिसका अनुमान 1,063.22 लाख [10.63 करोड़] तक है; और शेष राशि सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए।

आयुष्मान कार्ड के लालच में दलाल सक्रिय

निजी अस्पताल ले जाने ग्रामीण क्षेत्र में पहुंच रहे दलाल

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिले के ग्रामीण क्षेत्र में आजकल निजी अस्पताल के दलाल सक्रिय हो गए है,जो मुख्यालय से दूर के गांव में पहुंचकर भोलेभाले ग्रामीण को स्वास्थ्य सुविधा दिलाने के नाम पर जिला मुख्यालय के निजी अस्पताल और जिले से बाहर रायपुर धमतरी व अन्य जगह उन मरीजों को ले जाते है जिनके पास आयुष्मान कार्ड हो।ऐसा ही मामला जिला मुख्यालय से 12 किलोमीटर दूर ग्राम कोसमबुड़ा पंचायत आश्रित ग्राम व उसके नजदीक के ग्राम में देखने को मिला जहा कुछ ग्रामीणों को ठग कर जिला मुख्यालय और रायपुर ले जाने की कोशिश किया जा रहा था।ज्ञात हो कि बीते दिन कुछ लोग ग्राम कोसमबुड़ा पहुंचे और कोसमबुड़ा के साथ उसके आश्रित ग्राम और नजदीक के गांव के कुछ लोगो को इकट्ठा कर निजी वाहन किराए कर रायपुर व अन्य जगह ले जाने की तैयारी में थे,साथ ही ग्रामीणों को आयुष्मान कार्ड रखने कहा गया था।इस बात की जानकारी मीडिया को होते ही मीडिया के लोग ग्राम में पहुंचे जहा ग्राम के एक जगह में कुछ लोग एकत्रित होकर किसी का इंतजार कर रहे थे।वही ग्रामीणों से जानकारी लेने पर उन्होंने बताया कि बाहर शहर से दो लोग आए है और उन्हें रायपुर में इलाज कराने ले जा रहे है।लेकिन उन दलालो को मीडिया के आने की जानकारी पहले ही हो चुकी थी जिसके चलते वे दलाल ग्रामीणों को वाहन लाने की बहाना कर वहा से फरार हो गए।ग्रामीणों से जानकारी लेने पर एक ग्रामीण महिला अपनी तबीयत खराब होने की बात बताई लेकिन बाकी ग्रामीण अपने आप को स्वास्थ बताए और कहा की उन्हें उनकी तबीयत की जांच करने ले जा रहे थे।गौरतलब है की राज्य शासन द्वारा गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले लोगो के लिए स्वास्थ सुविधा के नाम पर आयुष्मान कार्ड के तहत पांच लाख रुपए की सुविधा देने की घोषणा किया गया है,इस आयुष्मान कार्ड की राशि के लालच में निजी अस्पताल के दलाल मरीजों को अस्पताल तक ले जाते है और अपना कमीशन ले कर अस्पताल में छोड़ आते है, वही ये निजी अस्पताल द्वारा भोलेभाले ग्रामीणों को वैध अवैध कोई भी इलाज कर उनके नाम के आयुष्मान कार्ड से लाखो रुपए की हेराफेरी कर उनके कार्ड की राशि और उनके स्वास्थ्य दोनो के साथ खिलवाड़ करने से बाज नहीं आते।इस विषय के कोसमबुड़ा के सरपंच उत्तम मरकाम ने बताया कि उन्हें भी उन निजी अस्पताल के दलालों के आने की जानकारी मिली थी लेकिन वे किसी कारण वश भाग गए,लेकिन ग्रामीणों को उनके झांसे में नहीं आने की बात कहते हुए ग्रामीणों को पहले गांव के सरकारी अस्पताल और जिला अस्पताल में जांच कराने की अपील किए।वही जिला अस्पताल के सर्जन डॉक्टर हरीश चौहान ने कहा की उन्हें भी मीडिया के माध्यम से जानकारी मिली है,वही उन्होंने ग्रामीण क्षेत्र के लोगो से अपील करते हुए कहा की ऐसे किसी भी व्यक्ति के बहकावे में आकर वे ग्रामीण अपने आयुष्मान कार्ड के राशि का दुरूपयोग न करे और स्वास्थ्य खराब होने पर वे ग्रामीण जिला अस्पताल आकर इलाज कराए और जिला अस्पताल के माध्यम से जिस अस्पताल में उन्हें भेजा जाता है वहा इलाज कर अपने सेहत का ध्यान रखे।

महासमुंद लोकसभा नवनिर्वाचित सांसद से मिले पूर्व सैनिक धर्मेंद्र चौधरी और उनके साथी

सरायपाली (समय दर्शन)। महासमुंद लोकसभा की नवनिर्वाचित सांसद श्रीमती रूप कुमारी चौधरी से पूर्व सैनिक परिषद फुलझर अंचल के सैनिकों ने सौजन्य मुलाकात की और उनके ऐतिहासिक विजय पर हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दिए। और आने वाले निकट भविष्य में सैनिकों के सुविधाओं के लिए विभिन्न विषयों पर चर्चा किये जिसके अंतर्गत पूर्व सैनिक धर्मेंद्र चौधरी (अध्यक्ष) एवं ग्रुप के पूर्व सैनिको द्वारा सैनिकों को मिलने वाली सीएसडी सुविधा और मेडिकल सुविधा के विषय में अवगत कराते हुए बताया गया की अंचल के सैनिकों को इन सुविधाओं के लिए 156क्यरू दूर राजधानी रायपुर पर आश्रित रहना पड़ता है। तथा चिकित्सा सुविधा के लिए नजदीकी अस्पतालों को इन पैनल हॉस्पिटल करने एवं मोबाइल छ्स्छ्ठ जैसी सुविधा पर अवगत कराया गया। जिस पर इस मार्ग पर आने वाले झलप, पटेवा, पिथौरा, महासमुंद, बसना, सरायपाली के सैनिकों को इस सुविधा का लाभ प्राप्त हो सके। वहीं पूर्व सैनिक मनोज कुमार सोनी द्वारा जवानों को छत्तीसगढ़ में विभिन्न भर्तीयो पर रियायत प्रदान करने के लिए आवश्यक पहल के लिए सांसद से आग्रह किया गया और बताया गया कि अन्य राज्यों में भूतपूर्व सैनिकों के भर्ती प्रक्रिया में रियायतै उपलब्ध हैं किंतु यहां के सैनिकों को इन सभी रियायतो से वंचित रहना पड़ रहा है। पूर्व सैनिकों का कोटा जो उन्हें मिलना चाहिये भूतपूर्व सैनिकों को दिया जाने वाला रियायत न मिलने की की वजह से वह कोटा रिक्त रह जाता है। इस भेंट मुलाकात के कार्यक्रम में पूर्व सैनिक धर्मेन्द्र चौधरी(अध्यक्ष)ओम प्रकाश साहू (उपाध्यक्ष) मायाराम पटेल(कोषाध्यक्ष)मनोज कुमार सोनी (सह कोषाध्यक्ष) तथा ग्रुप के समस्त संरक्षण सदस्य विश्वजीत प्रधान,सदाशिव चौहान,महेन्द्र केवर्त, वसुदेव साव,विजय प्रधान, राजेश प्रधान,मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने आवेदकों की समस्याओं और शिकायतों का समय पर निराकरण करने के निर्देश दिए

महासमुंद (समय दर्शन)। जिला कलेक्ट्रेट में आयोजित होने वाले जन चौपाल में आज कलेक्टर प्रभात मलिक ने जिले के आमजनों की मांगों एवं समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुनकर संबंधित विभाग के अधिकारियों को नियमानुसार निराकरण के लिए निर्देश दिए। जन चौपाल में आज ग्रामीण और शहरी क्षेत्र के आवेदकों ने आवेदन प्रस्तुत किए। कलेक्टर ने सभी आवेदकों की समस्याएं बारी-बारी सुनी और संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर आवेदकों की समस्याओं का निराकरण सुनिश्चित करने कहा।

आज जन चौपाल में बसना के नीलकंठ बिंझवार ने जाति प्रमाण पत्र के संबंध में आवेदन दिया।उन्होंने बताया की लोकसेवा केंद्र में आवेदन दिया है। लेकिन अभी तक जाति प्रमाण नही बना है।कलेक्टर श्री मलिक ने आवश्यक कारवाई के निर्देश दिए हैं।

इसी तरह ग्राम पतेरापाली के विजय मिर्धा ने अपनी जमीन का सीमांकन करने आवेदन दिया। उन्होंने बताया कि लंबे समय से सीमांकन नही हुआ है।

ग्राम सिरपुर के विनोद साहनी ने बताया की अत्यधिक विद्युत बिल आने के कारण परेशानी है। उन्होंने आवश्यक कारवाई करने के लिए निवेदन किया। कलेक्टर ने विद्युत विभाग को जांच कर करवाई के निर्देश दिया हैं।

अनुकंपा नियुक्ति के लिए श्रीमती पूनम नंद ने आवेदन दिया है। उन्होंने जल्दी से जल्दी से अनुकंपा नियुक्ति और पेंशन प्रकरण के लिए गुहार लगाई। इसी तरह असंगठित कर्मकार योजना के तहत भगिनी प्रसूति योजना का लाभ लेने आवेदन दिया। कलेक्टर ने श्रम विभाग को आवेदन की जांच कर निराकरण के निर्देश दिए। इसके अलावा नया राशन कार्ड, किसान सम्मान निधि राशि, वृद्धावस्था पैंशन, पीएम आवास योजना संबधी आवेदन दिया।

आज जन चौपाल में अनुविभागीय अधिकारी श्री उमेश साहू, डिप्टी कलेक्टर आशीष कर्मा सहित संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

ज्ञात है की प्रत्येक सोमवार को दोपहर 12 से कलेक्टर कार्यालय में जन चौपाल का आयोजन किया जाता है।

कलेक्टर ने शिवम को दिया श्रवण यंत्र

शिवम को अब सुनने व बोलने में होगी सहुलियत

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिला मुख्यालय गरियाबंद के वार्ड क्रमांक 3 के शिवम देवांगन को अब सुनने एवं बोलने में सहुलियत होगी।उल्लेखनीय है कि 5 वर्षीय शिवम देवांगन 90 प्रतिशत श्रवण बाधित दिव्यांग है।श्रवण बाधित दिव्यांग होने के कारण उनको सुनने बोलने में काफी कठिनाई का सामना करना पड़ता था।शिवम वर्तमान मे प्रत्येक सप्ताह जिला चिकित्सालय में स्पीच थैरेपी के लिए जाता है। किन्तु श्रवण यंत्र के आभाव में सुनने में कठिनाई को देखते हुए शिवम की माता द्वारा श्रवण यंत्र प्रदाय किये जाने हेतु समाज कल्याण विभाग में आवेदन किया गया था।इस पर कलेक्टर दीपक कुमार अग्रवाल ने समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों को उनके आवेदन पर संवेदनशीलता के साथ आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये थे।इस पर समाज कल्याण विभाग द्वारा आवश्यक कार्यवाही करते हुए सहायक उपकरण प्रदाय योजना अन्तर्गत कलेक्टर श्री अग्रवाल के हाथों शिवम को 2 नग श्रवण यंत्र उपलब्ध गया।बालक शिवम अब श्रवण यंत्र लगाकर थेरेपी के बाद सुन सकेगा इसके अलावा उन्हें बोलने में भी सहुलियत होगी। शिवम को श्रवण यंत्र मिलने से उनके अभिभावक ने शासन प्रशासन का धन्यवाद ज्ञापित किया है।

राजस्व विभाग एवं नगर निगम द्वारा आम सूचना :ग्राम उरला सीमांकन, दावा आपत्ति आमन्त्रित

दुर्ग। नगर पालिक निगम।एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि न्यायालय तहसीलदार दुर्ग के आदेश कमांक/195/वा./ना. तह. / 2024 आदेश दिनांक 18/06/2024 के पालन में ग्राम उरला पटवारी हल्का नंबर 16. रा.नि.म. - सिकोला, तहसील दुर्ग, जिला-दुर्ग में स्थित खसरा नंबर 94 रकबा 18.806 हे., खसरा नंबर 179 रकबा 3.1330 हे. शासकीय भूमि का सीमांकन दिनांक 26/06/2024 को समय प्रात: 9 बजे से किया जायेगा । जिस किसी भी व्यक्ति / संस्था को उक्त खसरा नंबर की भूमि मे प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष हित रखते हों तो अपने स्वत्व अर्जन के वैध दस्तावेज नक्शा खसरा, ले आउट तथा रजिस्ट्री की प्रतिलिपि सहित मौके पर उपस्थित होकर दावा आपत्ति पेश कर सकते है।

बाढ़ एवं अतिवृष्टि से बचाव हेतु नियंत्रण कक्ष स्थापित, 24 घंटे कार्य करेगा नियंत्रण कक्ष

गरियाबंद (समय दर्शन)। आगामी मानसून को देखते हुए बाढ़ एवं अतिवृष्टि से बचाव के लिए संयुक्त जिला कार्यालय गरियाबंद (दूरभाष नम्बर-07706-241288) में जिला स्तर पर बाढ़ आपदा प्रबंधन/नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है।नियंत्रण कक्ष (कंट्रोल रूम) में समय सारिणी के अनुसार अधिकारी-कर्मचारियों की ड्यूटी संबंधी आदेश कलेक्टर कार्यालय से जारी कर दिया गया है।जारी आदेश के तहत माह जून से अक्टूबर तक प्रतिमाह 10-10 दिवस के लिए तीन पालियों में कर्मचारी ड्यूटी करेंगे।कंट्रोल रूम प्रभारी अधीक्षक भू-अभिलेख चैतराम कोड़प्पा (मो.नं.- 3406425684) को बनाया गया है।जारी आदेशानुसार 1 तारीख से 10 तारीख तक प्रात: 6 बजे से दोपहर 2 बजे तक सहायक ग्रेड-3 जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र इतेन्द्र कुमार चुरेन्द्र,भृत्य वनमण्डल गरियाबंद कमल यादव,और नगर सैनिक क्रमांक 265 गजेश्वर ध्रुव की ड्यूटी रहेगी।इसी तरह दोपहर 2 बजे से रात्रि 10 बजे तक जल संसाधन विभाग के सहायक ग्रेड-3 संजीव कुमार नाग,शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला फुलकर्रा के भृत्य धमेन्द्र कुमार सेन और नगर सैनिक क्रमांक 295 संतोष ध्रुव तथा रात्रि 10 बजे से प्रात: 6 बजे तक शासकीय हाईस्कूल फुलकर्रा के सहायक ग्रेड-3 संतोष कुमार कमार शासकीय हाईस्कूल मालगांव के भृत्य घनश्याम जायसवाल और नगर सैनिक क्रमांक-284 चोवा राम ध्रुव की ड्यूटी लगाई गई हैं।

हस्तशिल्प विकास बोर्ड के महाप्रबंधक ने गोदना एवं बांसशिल्प प्रशिक्षण का किया उद्घाटन

पूर्व प्रशिक्षित गोदना शिल्पकारों को प्रमाण पत्र एवं शिल्पी परिचय पत्र दिया गया

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिला मुख्यालय स्थित कमार विश्राम भवन सिविल लाईन में शनिवार 22 जून को गोदना एवं बांस शिल्प प्रशिक्षण केन्द्र का संचालन किया गया।जिसका उद्घाटन छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प विकास बोर्ड रायपुर के महाप्रबंधक एस.एल ध्रुर्वे द्वारा किया गया।इस अवसर पर गरियाबंद के प्रभारी अधिकारी जे.एस.एन.किण्डों तथा बोर्ड के सभी कर्मचारी उपस्थित थे।महाप्रबंधक एस.एल.धुर्वे द्वारा हितग्राहियों को छ.ग.हस्तशिल्प विकास बोर्ड की योजनाओं के संबंध में जानकारी दी गई।साथ ही बताया गया कि लाभान्वित हितग्राहियों को उपस्थिति के आधार पर प्रति माह 1500 रुपये की छात्रवृत्ति दी जायेगी।यह प्रशिक्षण 22 जून से 21 सितम्बर तीन माह तक संचालित रहेगा। प्रशिक्षण में गरियाबंद क्षेत्र के सामान्य वर्ग के 40 हितग्राही लाभान्वित हो रहे है।इस दौरान पूर्व प्रशिक्षित गोदना शिल्पकारों को पंजीयन प्रमाण पत्र तथा शिल्पी परिचय पत्र का वितरण किया गया।

// नाम परिवर्तन //

मैं अनामिका जैन श्रीवास्तव पति श्री कमल कुमार श्रीवास्तव, निवासी- आदर्श नगर, वार्ड नं.- 20, चरोदा भिलाई, तहसील व जिला दुर्ग (छ.ग.), मैं हिन्दु धर्म की अनुयायी हूं तथा हिन्दु रीति रिवाज के अनुसार मेरा विवाह श्री कमल कुमार श्रीवास्तव, से हुआ था जिनसे मेरा विधिवत तलाक हो चुका है कि हमारे वैवाहिक जीवन से हमें दो संताने है जिनका नाम शुभ कुमार श्रीवास्तव एवं आर्य कुमार श्रीवास्तव है। मैं अपने पुत्र का नाम परिवर्तन कर उसके स्थान पर उसका नाम आर्य जैन, परिवर्तित करवाना चाहती हूं। मेरा पुत्र के समस्त शासकीय/ अर्द्धशासकीय/ वित्तीय संस्था, शैक्षणिक अंकसूची, आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र, एवं अन्य दस्तावेजों पर उसका नाम आर्य जैन, दर्ज करवाना, लिखवाना चाहती हूं एवं इसी नाम से जाना व पहचाना जावेगा। मैं राजपत्र में अपने पुत्र का सही एवं वास्तविक नाम आर्य जैन, दर्ज करवाने के समर्थन में यह शपथपत्र प्रस्तुत है।

शपथकर्ता

मामले की श्रेणी :- राजस्व

संदर्भः जिला दुर्ग तहसील-दुर्ग प.ह.न.-00024 अंजोरा ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक आरडी 202324430100300044

// ईश्तहार //

तहसील दुर्ग के प.ह.न. 00024 के अंतर्गत ग्राम अंजोरा के वर्तमान भूमिस्वामी सुकदेव पिता/पति-पिता मंहगूराम पता-गयानगर दुर्ग के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 500/1(0.0320) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/केता प्रेमलता पिता/पति-अनिल कुमार पता-कोहका, भिलाई के नाम पर पंजीयन/फौती होने के उपरांत नामांतरण / अभिलेख दुरुस्ती / खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 14/06/2024 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय पर की जावेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपति स्वयं / अधिवक्ता / आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 27/05/2024 को जारी किया जाता है।

मुहर

अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग

मामले की श्रेणी :- राजस्व

संदर्भः जिला दुर्ग तहसील-दुर्ग प.ह.न.-00024 अंजोरा ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक आरडी 202324430100300045

// ईश्तहार //

तहसील दुर्ग के प.ह.न. 00024 के अंतर्गत ग्राम अंजोरा के वर्तमान भूमिस्वामी सुकदेव पिता/पति-पिता मंहगूराम पता-गयानगर दुर्ग के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 498/1(0.1570) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता शीतल तापडिया पिता/पति-अमित तापडिया पता-पुलगांव, दुर्ग के नाम पर पंजीयन/फौती होने के उपरांत नामांतरण / अभिलेख दुरुस्ती / खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 14/06/2024 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय पर की जावेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपति स्वयं / अधिवक्ता / आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 27/05/2024 को जारी किया जाता है।

मुहर

अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग

संक्षिप्त-खबर

कृषि आदान विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों का किया गया निरीक्षण

दुर्ग (समय दर्शन)। कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी के निर्देशानुसार खरीफ 2024 में जिले के कृषकों हेतु उच्च के गुणवत्तायुक्त आदान सामग्री यथा उर्वरक, बीज एवं कीटनाशक दवाई की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के लिये कृषि विभाग द्वारा सधन अभियान चलाते हुये जिले के निजी एवं सहकारी प्रतिष्ठानों का सतत् निरीक्षण किया जा रहा है। इसी अनुक्रम में उप संचालक कृषि श्री ललित मोहन भगत के मार्गदर्शन में विकासखंड दुर्ग के जलाराम एग्रोटेक, गंज मण्डी कॉम्प्लेक्स, धमधा रोड दुर्ग का जिला उर्वरक निरीक्षक एवं सहायक संचालक कृषि एस. के. कोरोम, उर्वरक निरीक्षक एवं कृषि विकास अधि नवीन खोब्रागडे श्रीमति मंजुषा सिंह, श्रीमति एकता साहू एवं श्री देवेन्द्र मोहन ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी दल द्वारा मई में औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठान के अनुज्ञप्ति पत्र, समस्त दस्तावेज स्कंध पंजी, बिल बुक, प्रतिष्ठान में विक्रय हेतु उपलब्ध उर्वरकों का अवलोकन किया गया, जहां बिना स्त्रोत प्रमाण पत्र उर्वरक का भण्डारण किये जाने के कारण, रिकार्ड संधारण नहीं होने व मासिक रिपोर्ट नहीं दिये जाने के कारण, उर्वरक (नियंत्रण) आदेश 1985 के खण्ड 4, 8(3), 8(4), 35 1(ं) एवं 35 1(इ) का उल्लंघन पाये जाने पर जब्ती एवं सुपुर्दगी की कार्यवाही की गई है। संबंधित को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए स्पष्टीकरण के लिये 07 दिवस का समय दिया गया है। जवाब समय पर प्राप्त नहीं होने की स्थिति में संबंधित के विरूद्ध उर्वरक (नियंत्रण) आदेश 1985 के अंतर्गत नियमानुसार कार्यवाही की जावेगी। आगामी 15 दिवस के भीतर निजी एवं सहकारी प्रतिष्ठानों का शत-प्रतिशत निरीक्षण किया जाना प्रस्तावित है ताकि कृषकों को गुणवत्तायुक्त उर्वरक, बीज एवं कीटनाशक दवाई की उपलब्धता करायी जा सके।

सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों की तीन सूत्रीय मांगों को लेकर जिला मुख्यालय के नए बस स्टैंड में गत 21 जून से

बालोद (समय दर्शन)। जिला इकाई द्वारा प्रारंभ अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन मिशन संचालक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन से चर्चा उपरांत 24 जून को समाप्त किया गया , उक्ताशय की जानकारी देते हुए जिलाध्यक्ष रमेश कुमार सोनबोईर ने बताया कि चर्चा में कार्याधारित वेतन (पीएलपी) प्रति माह 15 तारीख तक भुगतान किया जाना तथा लंबित राशि एक सप्ताह में भुगतान पूरी कर ली जायेगी , स्थानांतरण हेतु राज्य स्तर पर पोर्टल डेवलप किया जाएगा तथा रिक्त स्थानों पर उनके जिले में पदस्थापना दी जानी है , तीसरी मांग पवन वर्मा जिन्हें सेवा मुक्त किया गया है। जिनका प्रकरण न्यायालय में लंबित है जिसे निर्णय उपरांत बहाल किए जाने की बात कही गई है। उपरोक्त सहमति के आधार पर धरना प्रदर्शन स्थगित कर दिया गया है। और संघ व्दारा अपने सभी साथियों को अपने कार्य स्थल पर अपनी उपस्थिति देकर कार्य प्रारंभ करने के लिए निर्देशित किया गया है। सोमवार को धरना प्रदर्शन में जिलाध्यक्ष रमेश कुमार सोनबोईर ,महामंत्री नीरज गौतम , एस एल गंधर्व , राहुल भेड़िया , अनिल सिन्हा , श्याम सुंदर देवांगन , मुकेश राणा , डुग्गी देवांगन , जिला संयोजक सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी प्रकोष्ठ देवानंद रात्रे, विकासखंड बालोद से ईलांजू साहू , मेनका साहू ,रजनी कौर, पूर्वी खटुआ, किरण वर्मा ,जयश्री नाग ,विकास खण्ड डौंडी से निक्की ठाकुर , दिव्या ,योगिता ,डौंडी लोहारा से रंजना सितेश्वरी ,गुण्डरदेही से भागवत साहू ,भूमिका ,अंजुलता, गुरुर से धनेन्द गरिमा, वर्षा व अन्य कर्मचारियों का योगदान रहा।

सरकार और कारखाना प्रबंधन की मजदूर विरोधी नीतियों का होगा पूरजोर विरोध - त्यागी

भिलाई। इस्पात नगरी भिलाई में हिंद मजदूर सभा एवं इंडस्ट्री ऑल ग्लोबल यूनियन (जेनेवा) से संबद्ध स्टील मेटल एंड इंजीनियरिंग वर्कर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (स्मेफी) के नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी की पहली बैठक आज 23 जून 2024 को इंडियन कॉफी हाउस आकाशगंगा सुपेला भिलाई में संपन्न हुई। इस बैठक में पूरे देश भर से स्मेफी के पदाधिकारी और कार्यकारिणी सदस्य शामिल हुए। स्मेफी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एस. डी. त्यागी ने सरकार और कारखाना प्रबंधन की मजदूर विरोधी नीतियों का पूरजोर तरीके से विरोध करने का शंखनाद किया। इस बैठक में स्मेफी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एस. डी. त्यागी राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एच. एस. मिश्रा, शशाधर नायक, स्मेफी के राष्ट्रीय सचिव सुरेंद्र लाल, राष्ट्रीय सचिव संजोत एस. वधावकर, संगठन सचिव प्रेमसिंह चन्देल, आर पी एस चौहान, प्रमोद सोलंकी, सुधीर भाटी, ओमप्रकाश, प्रशांत शेटटी प्रमुख रूप से उपस्थित थे। बैठक के शुरुआत में सभी अतिथियों का तिलक लगाकर व गुलाब के फूल से स्वागत किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष एस. डी. त्यागी ने कहा कि केन्द्र व राज्य की सरकारें मजदूर और किसानों के हित पर लगातार कुठाराघात करने में लगी हुई है।

ब्रह्माकुमारी ओम राधे की 59 वीं पुण्य तिथि श्रद्धापूर्वक मनाई गई

- मातेश्वरी राधे मां का जीवन अत्यन्त आदर्श और प्रेरणादायी था-ब्रह्माकुमारी प्रीति दीदी

बसना(समय दर्शन)। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की प्रथम मुख्य प्रशासिका ब्रह्माकुमारी ओम राधे की 59 वीं पुण्य तिथि श्रद्धापूर्वक मनाई गई। साईं विहार कॉलोनी स्थित मानव कल्याण भवन सेन्टर में एक सादे समारोह में ब्रह्माकुमारी ओम राधे के चित्र पर माल्यार्पण कर बसना संचालिका ब्रह्माकुमारी प्रीति दीदी ने श्रद्धासुमन अर्पित किए। ब्रह्माकुमारी प्रीति दीदी ने मातेश्वरी जी के जीवन से सम्बन्धित संस्मरण सुनाकर सभी को उनके द्वारा बतलाए मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बतलाया कि मातेश्वरी जी वात्सल्य की मूर्ति होने के साथ ही अनेक दैवीय गुणों से सम्पन्न थी। सभी उन्हें माँ कहकर पुकारते थे। उन्होंने एक माँ की तरह से ब्रह्मावत्सों की पालना की। उनका जीवन अत्यन्त आदर्श और प्रेरणादायी था। उनके जीवन में अपनाए गए सिद्धान्त आज संस्था के लिए प्रमुख सूत्र बन चुके हैं, जिसके आधार पर ब्रह्माकुमारी संस्था का संचालन किया जाता है। ब्रह्माकुमारी ओम राधे ने 24 जून 1965 को अपने पार्थिव शरीर का त्याग किया था। सभा में पहले ब्रह्माकुमारी ओम राधे मां की पुण्य स्मृति में परमपिता परमात्मा शिवबाबा को भोग स्वीकार कराया गया,, जिसे बाद में सभा में उपस्थित सभी लोगों में प्रसाद के रूप में वितरित किया गया। इस दौरान उनके प्रवचनों से लिए गए प्रेरणादायक साहित्य अंश को सभी साधकों को अलग-अलग वरदान के रूप में प्रदान किया गया,, जिसे प्राप्त कर सभी ने प्राप्त वरदान के अनुरूप पुरूषार्थ कर स्वयं को ढालने का सकंल्प किया। सभा में वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्रह्माकुमारी प्रीति दीदी, यमुना दीदी, हेमराज भाई , पार्थव ,कुलदीप ,जपेश , गणेश संयोगिता बहन एवं संस्था से जुडे साधकगण व प्रबुद्धजन उपस्थित थे।

आर्टिस्ट अमृता श्रीवास्तव ने बढ़ाया पिथौरा नगर का मान

पिथौरा(समय दर्शन)। आर्टिस्ट अमृता श्रीवास्तव ने पिडिलाइट फेविक्रिएट आइडिया लैब्स 2024 के कार्यक्रम में चयनित हुई । अमृता ने खूबसूरत 4 फुट बांके बिहारी की पेंटिंग बना कर कार्यक्रम में शामिल हुई थी। पुरे भारत वर्ष में पिडीलाईट कम्पनी के लगभग 1.5 लाख से भी ज्यादा फाइन आर्टिस्ट हैं ।

जिसमे से सिर्फ90 लोगो का ही चयन हुआ है। जिसमे हमारे छत्तीसगढ़ से पिथौरा नगर के श्रीमती अमृता गौरव श्रीवास्तव का भी चयन हुआ ।

इसका आयोजन भारत के नामी फेविक्राईल पिडीलाइट इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड मुंबई के द्वारा आयोजित कार्यक्रम, ड्रूरू 2024 किया गया था। जिसमे अमृता श्रीवास्तव ने बहुत खूबसूरत बाँके बिहारी पेंटिंग बना कर लेकर गई थीं, जो लगभग 4 फुट की थीं उस पेंटिंग को देख पुरे भारत वर्ष के सभी आर्टिस्टो ने खूब सराहा। इस उपलब्धि के लिये पिथौरा नगर के अनेक लोगो ने उनको बधाई और शुभकामनायें दिये है।

श्रीमती श्रीवास्तव पिथौरा में अपने घर पर व स्कूल कॉलेज में भी सैकड़ो बच्चों को पेंटिंग की बारीकियां सिखाती हैं । इनकी संस्थान का नाम मातृ कला निकेतन है ,,जो की प्राचीन कला केंद्र चंडीगढ़ से एफ्लिटेड संस्था है। अमृता श्रीवास्तव ने सैकड़ो स्कूल और कॉलेजों में पेंटिंग की मुफ्त क्लास भी लेते हैं,, और छात्रों को पेंटिंग के लिये प्रेरित करते रहते हैं ।नगर के गवर्नमेंट स्कूल, कॉलेज के दीवारों पर हमारे छत्तीसगढ़ के ट्राइबल आर्ट को बहुत खूबसूरती से छात्रों को प्रेरित करते हुए बनाया है ।श्रीमती अमृता गौरव श्रीवास्तव पिथौरा नगर के प्रसिद्ध डॉ जोगीलाल श्रीवास्तव की पुत्र वधू है। शुरू से ही इनकी रूचि पेंटिंग और कला के क्षेत्र में रहा है ,,जिसका परिणाम स्वरुप आज वो पुरे भारत में 90 लोगो के चयन में अपना स्थान बना पायी है, और छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले से एकमात्र इन्ही का चयन होना पिथौरा नगर एवं पुरे महासमुंद जिले के लिये गौरव की बात है।

विधायकों की सचिवालयीन सहायता हेतु संबद्ध कर्मचारी नियुक्त

दुर्ग। लोकसभा निर्वाचन 2024 के अंतर्गत आदर्श आचरण संहिता लागू होने के फल स्वरुप जिले के विधायकों को सचिवालयीन सहायता हेतु संबद्ध किए गए कर्मचारियों की सेवाएं मूल विभाग को वापस की गई। आदर्श आचरण संहिता के समाप्ति उपरांत लिपिकी सुविधा बहाल कर दी गई है। कार्यालय कलेक्टर दुर्ग से मिली जानकारी के अनुसार विधायक दुर्ग शहर गजेंद्र यादव के संबद्ध कर्मचारी श्री रवि शंकर साहू सहायक शिक्षक एलबी शासकीय प्राथमिक शाला कृष्णा नगर सुपेला दुर्ग नियुक्त किए गए है। इसी प्रकार वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन के संबंध कर्मचारी राजेश कुमार पाण्डेय व्याख्याता शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कोसा नगर दुर्ग, विधायक दुर्ग ग्रामीण ललित चंद्राकर के संबंध कर्मचारी युवराज सिंह बल चंदन शिक्षक शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय झोला दुर्ग, भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव के संबंध कर्मचारी भूपेश कुमार कौशिक प्रशिक्षण अधिकारी विद्युतकार औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था भिलाई एवं संतोष कुमार संगणक डाटा एंट्री ऑपरेटर कार्यालय जिला योजना एवं सांख्यिकी दुर्ग को नियुक्त किया गया है।

मोहगांव स्कूल में योग दिवस का आयोजन

बसना (समय दर्शन)। शासकीय प्राथमिक,उच्च प्राथमिक एवं हाई स्कूल मोहगांव के संयुक्त तत्वाधान में दसवां अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून को विद्यालय में योग दिवस मनाया गया। इस अवसर पर सुबह 7 बजे से 8 बजे तक निर्धारित सामान्य योग प्रोटोकॉल के अनुसार योगाभ्यास, सूक्ष्म व्यायाम एवं प्राणायाम कराया गया, तथा योग से होनेवाले लाभ के बारे में बताया गया। आज के बदलते लाइफ स्टाइल और खान-पान के दुष्प्रभाव से शरीर को योग प्राणायाम से ही स्वस्थ रखा जा सकता है। इस अवसर पर विद्यालय के बच्चे, शिक्षक एवं ग्रामीण उपस्थित थे । सभी लोगों ने योग को अपनी दिनचर्या में सम्मिलित करने का संकल्प लिया । शासकीय हाई स्कूल के प्राचार्य जे कुमार और प्राथमिक शाला के प्रधान पाठक भोजराज प्रधान के द्वारा योग कराया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी को गुड़ चना का वितरण किया गया । योगाभ्यास को सफल बनाने में मिडिल स्कूल प्रधान पाठक रविलाल प्रधान, शिक्षक हेमन्त कर,अहीर कुमार बरिहा, गौरीशंकर पण्डा सहायक शिक्षक, श्रीमती कविता बढ़ाई, रोहित प्रधान, विजय बारीक, शाला प्रबंधन समिति अध्यक्ष, प्रह्लाद प्रधान, मोहन साव, लक्ष्मण भोई की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

दिव्यता की प्रतिमूर्ति जगदंबा सरस्वती की पुण्यतिथि का आयोजन

- हर घड़ी हमारी अंतिम घड़ी है यह स्मृति रहने से हमारे कर्म सदैव श्रेष्ठ होंगे -जगदंबा सरस्वती

दुर्ग (समय दर्शन)। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के बघेरा स्थित आनंद सरोवर के सभागार में ब्रह्माकुमारी संस्था की प्रथम संचालिका ओम राधे जिसे सभी ब्रह्मावत्स जगदंबा व मम्मा के नाम से संबोधित करते थे आज उनकी पुण्यतिथि का आयोजन किया गया । जिसमें केलाबाड़ी,आर्य नगर , सिंधिया नगर व ग्रामीण अंचलों से अनेक सेवाकेन्द्रों के भाई-बहनें इस आयोजन में उपस्थित हुए । सभी ने उस महान विभूति को अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके बताए हुए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया । इस अवसर पर प्रात: 7:00 से 11:00 बजे तक विशेष योग तपस्या का आयोजन कर समग्र विश्व के सभी मनुष्य आत्माओं के सुख-शांति सपन्न रहने की मंगल कामना की।

ब्रह्माकुमारी दुर्ग की संचालिका रीटा बहन ने जगदंबा सरस्वती के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए कहा कि निराकार परमपिता परमात्मा शिव ने इस साकार सृष्टि पर प्रजापिता ब्रह्मा के तन में दिव्य अवतरण होकर जो ज्ञान दिया उसे संपूर्ण रूप से आत्मसात कर अपने जीवन को श्रेष्ठ बनाने का प्रथम सौभाग्य मातेश्वरी जगदंबा सरस्वती को जाता है उनकी मुख्य शिक्षा यही रही कि हर घड़ी अपनी अंतिम घड़ी समझकर हम हर कर्म करेंगे तो हमारा कर्मों के प्रति ध्यान रहेगा व हमारे कर्म श्रेष्ठ व सुखदाई होंगे तथा आपने बताया हम सबको मुख्य शिक्षा यह मिली हुई है कि यह संसार कर्मक्षेत्र है, इस कर्मक्षेत्र में कर्मों से बीज बोना है। जो कर्म हम करते हैं उसका फल अवश्य हमें मिलता ही है। परमात्मा पिता हमें कर्मों का बीज किस प्रकार बोयें उसकी विधि सिखा रहे हैं। जैसे खेती करना सिखाते हैं कि कैसे बीज़ डालो, कैसे उसकी सम्भाल करो, उसका भी प्रशिक्षण देते हैं। तो परमात्मा आ करके हमें कर्मों को कैसे श्रेष्ठ बनायें उसकी शिक्षा भी दे रहे हैं और विधि भी सिखा रहे हैं कि अपने कर्मों को ऊंच बनाओ, अच्छे बीज डालो अर्थात् अच्छे कर्म करो तो फल अच्छा मिलेगा। जब कर्म अच्छा होगा फिर जो बोयेंगे उसका फल अच्छा मिलेगा। अगर कर्म रूपी बीज़ में ताकत नहीं होगी, कर्म बुरे बोयेंगे तो फल क्या मिलेगा? तो अपने कर्मों का जो बीज है, वह अच्छा बनाओ और फिर अच्छा बोना सीखो। तो यह सभी चीज़ों को समझ करके अभी अपना पुरुषार्थ करो।

खेल में बेहतर प्रदर्शन करने वाले स्कूली बच्चे होंगे सम्मानित- बीईओ पाटन

पाटन (समय दर्शन)। विकास खण्ड स्तर पर आयोजित व्यायाम शिक्षकों के साथ पूर्व माध्यमिक विद्यालय व सेजेस के संस्था प्रमुख के बैठक में विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी प्रदीप महिलांगे ने वार्षिक खेल कैलेंडर पर समीक्षा कर उनके द्वारा किया जा रहा कार्य की सराहना करते हुए उन प्रत्येक स्कूली बच्चों को जो खेल में विशेष उपलब्धि हासिल किए हैं को विकास खण्ड स्तर पर सम्मानित किया जायेगा। साथ ही उनके खेल प्रशिक्षक, व्यायाम शिक्षक, क्रीड़ा प्रभारी को भी सम्मानित किया जायेगा। इस आशय की कवायद आज ही, सभी पूर्व माध्यमिक विद्यालय के संस्था प्रमुख को , खेल नोडल शिक्षक/प्रभारी का चयन करने हेतु निर्देश जारी किया गया। साथ ही शनिवार को स्पोर्ट्स की विशेष मानिटरिंग हो हेतु कार्य निर्धारित कराया गया। बैठक में शामिल सभी व्यायाम शिक्षकों को खेल में विशेष प्रदर्शन करने वाले बच्चों की नाम सूची 6 जुलाई के पूर्व जमा करने निर्देशित किए। बैठक में क्रीड़ा प्रभारी देवदास मैडम, जयंत वर्मा , संतोष यादव , हिमांशु साहू,सनत साहू, मोहित साहू, नरेश साहू, संजय निषाद, उषा श्रीरंगे, नीता सोनी, अंजु चेलक, जीनत साहू , केशरी बेन्द्रे, चंद्रकला साहू, पुनीत राम साहू आदि शामिल रहे।

बसना विधायक डॉ.सम्पत अग्रवाल ने श्वेत ध्वज दिखाकर सद्गुरु कबीर शोभायात्रा का किया शुभारंभ

- हर्षोल्लास के साथ मनाया गया कबीर साहेब का प्राकट्य दिवस

बसना(समय दर्शन)। बसना मे सद्गुरु कबीर प्राकट्य पर्व पर मानिकपुरी पनिका समाज के द्वारा भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा को स्थानीय विधायक डॉ संपत अग्रवाल ने श्वेत ध्वज दिखाकर शुभारंभ किया। डॉ संपत अग्रवाल ने कहा कि सद्गुरू कबीर साहेब जी की वाणी अजर अमर है। कबीर की वाणी मानवता, समरसता, शांति सद्भावना के साथ जीने की प्रेरणा देता है। कबीर साहेब ने अपनी वाणी से पाखंड, आडम्बर का विरोध कर करारा जवाब दिया है। कबीर के जीवन दर्शन को आत्मसात कर अपने जीवन में उतारें तभी सार्थक होगा।

शोभायात्रा वार्ड नंबर 06 कबीर नगर से प्रारंभ होकर पंचमुखी हनुमान मंदिर, शहीद वीर नारायण सिंह चौक होते हुए श्रीराम जानकी मंदिर, पदमपुर रोड से रानी दुर्गावती वार्ड (फोकट पारा)कबीर आश्रम पहुंचा। मानिकपुरी पनिका समाज के सामाजिक जनों के द्वारा श्रीफल, पुष्प अर्पित कर बसना नगर के खुशहाली की कामना की।

वार्ड नंबर 11 कबीर आश्रम से शोभायात्रा शहर भ्रमण करते हुए कबीर नगर सद्गुरु कबीर आश्रम पहुंचा। कबीर आश्रम में संध्या चौका आरती के पश्चात् भजन सत्संग का आयोजन किया गया। टाटा बिलासपुर से पधारे कबीर भजन मंडली के द्वारा सुमधुर कबीर भजन गाकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। शोभायात्रा में आमिन माता महिला मंडल, मानिकपुरी युवा मंच के कार्यकर्ता डी जे की धुन एवं कबीर भजन में झूमते नाचते चल रहे थे। साहेब बंदगी साहेब के जय घोष से बसना शहर कबीरमय हो गया। शोभायात्रा का नगर भ्रमण के दौरान सभी समाजों के द्वारा स्वागत कर बधाई व शुभकामनाएं दी गई।

बता दें कि सद्गुरू कबीर साहेब जी के प्राकट्य दिवस को प्रतिवर्षों की भांति इस वर्ष भी मानिकपुरी पनिका समाज बसना के द्वारा हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। शोभायात्रा में प्रमुख रूप से जगदीश दास राजन, सेवक दास दीवान,शरण दास, प्रदीप दास, विजय दास, रमेश दास के अलावा मानिकपुरी पनिका समाज के प्रबुद्ध जन,आमिन माता महिला मंडल, युवा मंच के कार्यकर्ता सहित सैंकड़ों की संख्या में सामाजिक जन शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान मानिकपुरी पनिका समाज के जिलाध्यक्ष सेवक दास दीवान का सामाजिक जनों के द्वारा शाल श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया गया।प्राकट्य पर्व पर आयोजित कार्यक्रम का संचालन शरण दास राजन के द्वारा किया गया।

सद्गुरु कबीर प्राकट्य पर्व पर कबीर पंथ केअनुयायियों के द्वारा बसना क्षेत्र के बरोली,हाड़ापथरा ,कुरचुण्डी,चिमरकेल,बड़ेडाभा,पिपलखुंटा,बरपेलाडीह भुकेल, संकरी, सावित्रीपुर,रेमडा,तरेकेला के अलावा विभिन्न गांवों में प्राकट्य दिवस को अत्यंत हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26